



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 63]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 19, 2010/माघ 30, 1931

No. 63]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 19, 2010/MAGHA 30, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2010

प्रारंभिक जाँच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. तथा जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी प्रकार के 1, 1, 1, 2-टेट्राफ्लोरोईथेन अथवा आर-134ए के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/24/2009-डीजीएडी.—वर्ष 1995 एवं तत्पश्चात् यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 एवं उसके तहत बचाए गए सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन, संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

1. यतः मै. एसआरएफ लिमिटेड, गुडगांव (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने उक्त अधिनियम तथा नियमावली के अनुसरण में चीन जन. गण. तथा जापान (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी प्रकार के 1, 1, 1, 2-टेट्राफ्लोरोईथेन अथवा आर-134ए (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है और संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया है ।

क. प्रक्रिया

3. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत की सूचना देते हुए सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :—

(i) उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार संबद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को उपर्युक्त जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया,

(ii) प्राधिकारी द्वारा उनके पास उपलब्ध सूचना के अनुसार दिनांक 19 अगस्त, 2009 की जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रतियां संबद्ध देशों के भारत स्थित दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग को भिजवाई गई थीं । इस जांच से संबद्ध ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अनुरोध किया गया था । निर्यातकों को प्रेषित पत्र, याचिका तथा प्रश्नावलियों की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित संबद्ध देशों के दूतावासों को भी भिजवाई गई थीं और संबद्ध देशों के

निर्यातकों/ उत्पादकों को प्रश्नावली के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर प्रस्तुत करने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था।

iii. उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसरण में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रति ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देशों के दूतावास को उपलब्ध कराई गई थी

iv. नियम 6(4) के अनुसरण में प्रासंगिक सूचना प्राप्त करने के उद्देश्य से सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भिजवाई गई थीं। जापान से जहां कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ, वहीं चीन जन गण से संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित निर्यातकों से निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए हैं:-

- क) झेजियांग जुहुआ कं. लि., केचेंग जिला, कोझोऊ सिटी, झेजियांग प्रान्त चीन जन गण-324004
- ख) झेझलांग कुहुआफ्लोर-कैमेस्ट्री कं.लि., जुहुआ गुप, केचेंग जिला, कोझोऊ सिटी, झेजियांग प्रान्त
- ग) साइनोकेम एन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. 18, साऊथ ऑफ बिनजियांग रोड, शिहुआ इण्डस्ट्रियल पार्क, ताइकांग पोर्ट, जियांगसू प्रान्त, चीन जन.गण.-215433
- घ) साइनोकेम माडर्न एन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियान), कं.लि. जिन्हे इंडस्ट्रियल एरिया, जियान इकोनॉमिक टेक्नोलॉजिकल डेवलपमेंट जोन, जियान, चीन जन.गण.
- ङ) ड्यू पांट ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि., 10/एफ बिल्डिंग नं. #11, 399 केयुआन रोड, झांगजियांग हाई-टेक पार्क, पूडांग न्यू डिस्ट्रिक्ट, शंघाई-201203 चीन जन.गण
- च) मेसर्स झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेड-कं.लि., दूसरा तल, नं. 243, जुहुआ सेंटर रोड, कुफोऊ चीन

v. चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एण्ड सिलीकॉन इण्डस्ट्री से भी जांच शुरूआत उपरांत विचार/टिप्पणियां प्राप्त हुई थीं।

vi. नियम 6(4) के अनुसरण में भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों एवं उपभोक्ताओं से आवश्यक सूचना मंगाने हेतु उन्हें प्रश्नावलियां भिजवाई गई थीं और भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित आयातकों से आयातक प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए हैं:-

- क) नेवाइन फ्लोरीन इंटरनेशनल लि., 35 सी, शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली-110015
- ख) ई.आई. ड्यू पांट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डी एल एफ साइबर ग्रीन्स सातवां तल, सी टॉवर, 25 ए डीएलएफ-सिटी, फेज III, गुडगांव- 122002, हरियाणा

vii) संबद्ध वस्तुओं के आयातकों/प्रयोक्ताओं यथा मेसर्स रिफ्लेक्स रेफ्रीजिरेन्ट्स लि., मेसर्स चेन्नै मैरीन ट्रेडिंग प्रा.लि., मेसर्स स्टैलियन इंटरप्राइजेज एवं मेसर्स हनीवेल इंटरनेशनल प्रा.लि. से भी जांच शुरूआत उपरांत विचार/टिप्पणियां प्राप्त हुई थीं।

- viii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा गया था;
- ix) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई सी एंड एस) से जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों का ब्यौरा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।
- x) यह अभिनिश्चित करने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने हेतु पर्याप्त होगा, याचिकाकर्ता द्वारा सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई लेखांकन सूचना के आधार पर उत्पादन लागत पर आधारित क्षति रहित कीमत की गणना अनन्तिम तौर पर की गई;
- xi) प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य के संबंध में गैर बाजार अर्थव्यवस्था अवधारणा के साथ जांच की शुरुआत की गई और उक्त नियमावली के अन्तर्गत संबंधित देश तथा चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों को उक्त अवधारणा के खण्डन का अवसर प्रदान किया गया। उपर्युक्त अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया था कि नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा कार्यवाही के दौरान चीन जन गण में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी समुचित तीसरे देश के बारे में भी सूचित किया जाएगा। तथापि आवेदकों सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन हेतु प्राधिकारी के समक्ष कोई भी वास्तविक तथ्य प्रस्तुत नहीं किया।
- xii) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में गोपनीयता से संबंधित दावे की जांच की गई है। वह सूचना जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है अथवा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उसके गैर गोपनीय सारांश सहित गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई है, को गोपनीय माना गया है।
- xiii) *** इस जांच परिणाम में घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना प्रदर्शित करता है, जिसे नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय माना गया है।
- xiv) निर्यातकों, उत्पादकों, आयातकों उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने इस जांच में सूचना प्रस्तुत नहीं की है, को असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है।
- xv) डीजीएडी द्वारा अपनाई गई पद्धति के अनुसार क्षति अवधि में जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों को शामिल किया जाता है। संबद्ध मामले में जांच अवधि 1 अप्रैल 2008 से 31 मार्च, 2009 (12 माह) है। तथापि संबद्ध मामले में क्षति की जांच अवधि में वर्ष 2007-08 तथा जांच अवधि (पीओआई) को शामिल किया जाएगा क्योंकि आवेदक ने वाणिज्यिक उत्पादन वर्ष 2007-2008 में ही शुरू किया था।

ख. जांच की शुरुआत तथा प्राधिकारी द्वारा जांच के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियां

ख.1 निर्यातकों के विचार

4. जापान से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। चीन जन गण के उत्तरदाता निर्यातकों ने अपनी निर्यातक प्रश्नावली में जांच शुरुआत के बारे में कोई विशेष टिप्पणी नहीं की है। तथापि चाईना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एंड सिलीकोन इंडस्ट्री ने निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं

1. याचिकाकर्ता के अनुसार विचाराधीन उत्पाद का कोई निर्धारित सीमा शुल्क वर्गीकरण नहीं है। अतः याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए आँकड़े अप्रासंगिक हो जाते हैं।
2. चीन के उद्यमों ने जाँच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु गैस फेज विधि अपनाई है, जबकि घरेलू उद्योग द्वारा लिक्विड फेज विधि अपनाई जाती है।
3. आर 134ए के वर्गीकरण में शुद्धता एक प्रमुख मानदण्ड है, अतः शुद्धता के आधार पर किसी भी अंतर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।
4. आगे यह भी निवेदन किया गया है कि चीन से आयातित तथा एसआरएफ द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद में शुद्धता, उत्पादन प्रक्रिया तथा विनिर्माण लागत सहित जाहिर तथा महत्वपूर्ण भिन्नताएँ हैं, जो इन्हें अतुलनीय बना देती हैं।
5. यदि याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सांख्यिकी पर भी विचार किया जाए तो इस निष्कर्ष पर पहुँचा जा सकता है कि भारतीय बाजार में मांग बढ़ने के कारण वर्ष 2006-07 में चीन से निर्यातों में वृद्धि हुई है।
6. चीन से भारतीय बाजार को किए गए निर्यातों के बारे में उत्तरदाता द्वारा उपलब्ध कराए गए सांख्यिकीय आँकड़े दर्शाते हैं कि चीन से निर्यातों में कमी आई है और निर्यात कीमतों में वृद्धि का रुख देखा गया है।
7. घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में वर्ष 2008-09 में 56.33 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।
8. एस आर एफ द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन वर्ष 2007-08 में शुरू किया गया, अतः इसे प्रारम्भिक अवस्था में क्षमता उपयोग में कमी का सामना करना पड़ा।
9. उत्पाद प्रक्रिया प्रौद्योगिकी में अन्तर के कारण सामान्य मूल्य की गणना गलत हो जाती है।
10. वर्ष 2007-08 और वर्ष 2008-09 के दौरान याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पादकों को निर्यात किया था। याचिकाकर्ता की घरेलू कीमत की तरह याचिकाकर्ता की निर्यात कीमत भी संदिग्ध है। इससे यह जाहिर होता है कि कम कीमत याचिकाकर्ता की निरंतर बाजार रणनीति है।
11. घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई उत्पाद प्रक्रिया अर्थात् लिक्विड फेज विधि अधिक महंगी है और इससे पोटेशियम क्लोराइड और टीएफइए उप-उत्पाद उत्पन्न होते हैं। इन उप-उत्पादों के लागत वितरण को नजरअंदाज कर दिया गया है।
12. नकारात्मक लाभप्रदता निवेश से आय तथा नकद प्रवाह आयातों के कारण नहीं है। बल्कि पुरानी उत्पादन प्रक्रिया तथा याचिकाकर्ता द्वारा लिए गए त्रुटिपूर्ण निवेश निर्णय के कारण हैं।
13. रोजगार मजदूरी में कोई परिवर्तन न होना यह दर्शाता है कि श्रमिकों को अतिरिक्त संख्या में नियोजित किया गया है, अतः यह उच्च उत्पादन लागत के कारणों में से एक कारण हो सकता है।
14. याचिकाकर्ता ने स्वयं स्वीकार किया है कि उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

15. माल सूचियों में उल्लेखनीय गिरावट आई है।
16. याचिकाकर्ता की वार्षिक रिपोर्ट दर्शाती है कि पूरी कंपनी में विचाराधीन उत्पाद का टर्न ओवर अनुपात बहुत कम होने के कारण पूंजी जुटाने की क्षमता अप्रभावित रही है।
17. घरेलू उत्पाद का कीमत व्यवहार आयातों के पहुंच मूल्य के अनुरूप नहीं है। दोनों व्युत्क्रम संबंध दर्शाते हैं।
18. खपत सम्बन्धी कारक में परिवर्तन अवश्यभावी है क्योंकि आर 134ए, सीएफसी गैस का विकल्प है जिसे वर्ष 2010 में समाप्त कर दिया जाएगा।
19. यह स्पष्ट नहीं है कि क्षतिरहित कीमत ज्ञात करने के लिए घरेलू उद्योग ने कितने प्रतिशत लाभ का दावा किया है।
20. हम इसे 22% मान लेते हैं जिसे प्राधिकारी ने नियोजित पूंजी से आय के रूप में अपनाया है। यह अनुचित है क्योंकि घरेलू उद्योग को अनावश्यक संरक्षण प्रदान करता है और कमतर शुल्क सम्बन्धी नियम का उल्लंघन करता है। (नियोजित पूंजी का ऋण हिस्सा, जिस पर लगभग दस से 125 ब्याज लगता है, जो 22% बताया गया है, जिससे परिणामतः नियोजित पूंजी के निबल मूल्य हिस्से पर 22% से अधिक की आय प्राप्त होती है।)
21. गैर बाजार अर्थ व्यवस्था के व्यवहार के सम्बन्ध में चाईना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एंड सिलीकोन इंडस्ट्री ने निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं-
 - प्रत्येक कंपनी किसी न किसी प्रकार के राज्य हस्तक्षेप के अन्तर्गत प्रचालित है परन्तु प्राधिकारी द्वारा इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसा हस्तक्षेप निर्णय लेने की प्रक्रिया में नहीं किया गया है।
 - प्रमुख निर्विष्टियों की कीमतों के बाजार मूल्य के विश्लेषण के लिए इस बात पर विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि निर्यातक जिन कीमतों पर कच्ची सामग्री की खरीद करता है वह बाजार द्वारा निर्धारित हो और राज्य के हस्तक्षेप से अप्रभावित हो।
 - अन्तरराष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अनुसार खाता-बहियां रखना कानून का अधिदेश नहीं है।
 - रूपांतरण के माध्यम से अधिग्रहण के मामले में जब यह राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी हो तो बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान नहीं किया जाता।
22. जहां तक बाजार अर्थव्यवस्था के मामले में सामान्य मूल्य की संरचना की पद्धति का प्रश्न है, चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एंड सिलीकॉन ने निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं :-
 - उत्पादन प्रक्रिया में भिन्नता के कारण घरेलू उद्योग के खपत सम्बन्धी कारक पर विचार नहीं किया जाना चाहिए था।

- घरेलू उद्योग केवल 44.77% क्षमता पर प्रचालित है। अतः इतनी अप्रयुक्त क्षमता पर निकाली गई परिवर्तन लागत बहुत ही अधिक तथा विकृतिपूर्ण परिवर्तन लागत दर्शाती है।
- उपर्युक्त आधार पर मूल्यहास की गणना से मूल्यहास असाधारण रूप से अधिक हो जाता है।
- उप उत्पादों तथा संयुक्त उत्पादों के बारे में कोई दावा नहीं किया गया है।
- अत्यंत उच्च ब्याज लागत पर विचार किया गया है। चीन में ब्याज दरें भारत की ब्याज दरों की तुलना में लगभग आधी हैं।

ख.2 आयातक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकार

5. जांच शुरुआत के बारे में मैसर्स रिफ्लेक्स रेफ्रिजिरेन्ट्स लिमिटेड, मैसर्स चेन्नई मेरीन ट्रेडिंग प्रा लि, मैसर्स स्टैलियन इंटरप्राइजेज एवं मैसर्स हनीवैल इंटरनेशनल प्रा लि जैसे आयातकों/ प्रयोक्ताओं ने निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं-

- (i) मै. एस आर एफ की संस्थापित क्षमता अलवर, राजस्थान में 2500 मीटर आर-134ए प्रति वर्ष की है।
- (ii) एचएफसी 134ए एक ओजोन रहित डीप्लिटिंग गैस है और ओजोयुक्त डीप्लिटिंग गैस आर 12 रेफ्रीजरेंट गैस का विकल्प है, जिसे भारत में समाप्त किया जा रहा है।
- (iii) भारत में अनुमानित वार्षिक मांग लगभग 8000 मीटर प्रति वर्ष (अन्तर्राष्ट्रीय एजेन्सी द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2007 में 6000 मीटर टन) है, जिसमें से 2500 मीटर का उत्पादन भारत में मैसर्स एस आर एफ लिमिटेड द्वारा किया जाता है। इस उत्पाद की शेष मांग को पूरा करने के लिए एसआरएफ द्वारा भी कुछ मात्रा का आयात किया जाता है।
- (iv) उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार विभिन्न देशों जैसे चीन, जापान, यू एस ए से आर 134ए का आयात लगभग 5500 मी टन है।
- (v) सीएफसी को समाप्त किए जाने और एचसीएफसी में कमी के कारण इस उत्पाद की वार्षिक मांग में 15-20% की वृद्धि होने की संभावना है।
- (vi) एसआरएफ सम्बद्ध उत्पाद की बढ़ती मांग को पूरा करने में समर्थ नहीं होगा।
- (vii) चीन तथा जापान के उत्पाद इन गैसों का किफायती तरीके से उत्पादन करने हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं और उनका मूल्य निर्धारण वैश्विक मूल्यों के अनुरूप किया जाता है।
- (viii) एसआरएफ को अपने सीएफसी 12सी को समाप्त करने एवं 134ए का उत्पादन शुरू करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों से काफी सब्सिडी प्राप्त हुई है।

- (ix) यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो एस आर एफ द्वारा भारतीय बाजार पर नियंत्रण करने के लिए गठबंधन कर लिया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में वृद्धि होगी और अन्ततः उपभोक्ता तथा उद्योग जगत को उच्च लागत का सामना करना पड़ेगा।
- (x) जेनेट्रान 134ए हनीबैल का पंजीकृत व्यापारिक नाम है और वह जेनेट्रान 134ए का चीन से भारत में आयात सर्वाधिक दर्ज मूल्य पर करते रहे हैं।

ख 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

6. चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एंड सिलीकॉन इंडस्ट्री तथा आयातकों / प्रयोक्ताओं द्वारा व्यक्त विचारों की जांच प्राधिकारी द्वारा की गई, जो निम्नानुसार हैं-

- (i) जहां तक विचाराधीन उत्पादन हेतु निर्धारित वर्गीकरण के सम्बन्ध में चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एंड सिलीकॉन इंडस्ट्री द्वारा व्यक्त विचारों का सम्बन्ध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्धारित वर्गीकरण के अभाव में विभिन्न वर्गीकरणों के अन्तर्गत विचाराधीन उत्पाद के दिए गए ब्यौरे के आधार पर आयात आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है।
- (ii) जहां तक चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एंड सिलीकॉन इंडस्ट्री के इस विचार का सम्बन्ध है कि चीन के उद्यमों द्वारा जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु गैस फेज विधि का प्रयोग किया गया है जबकि घरेलू उद्योग द्वारा लिक्विड फेज विधि का; प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने स्पष्ट किया है कि वह विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु गैस फेज विधि प्रयुक्त करता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि शुद्धता के स्तर में परिवर्तन से विचाराधीन उत्पादन की पद्धति में परिवर्तन नहीं होता, अतः इसी गैस फेज विधि को प्रयुक्त करते हुए घरेलू उद्योग तथा निर्यातकों द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु में शुद्धता के कारण अन्तर नहीं हो सकता।
- (iii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन प्रक्रिया, शुद्धता और विनिर्माण लागत के कारण विचाराधीन उत्पाद में अन्तर नहीं आता। इसके अलावा घरेलू उद्योग तथा चीन जन-गण के उत्पादक गैस फेज उत्पादन विधि का प्रयोग करते हैं।
- (iv) चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एंड सिलीकॉन इंडस्ट्री द्वारा विभिन्न आर्थिक मानदण्डों, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार सम्बन्धी मुद्दों एवं अन्य मुद्दों के बारे में व्यक्त विचारों की विधिवत जांच इस जांच परिणाम के संबंधित भागों में की गई है।
- (v) आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने जांच शुरुआत के किसी भी पहलू पर कोई विशिष्ट विचार व्यक्त नहीं किया है। तथापि जहां तक उनका विचार है कि चीन तथा जापान के उत्पादकों द्वारा इन वस्तुओं का किफायती तरीके से उत्पादन करने हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जाता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के उत्पादकों / निर्यातकों ने कोई सहयोग नहीं किया है और जहां तक चीन का संबंध है विचाराधीन उत्पादन के उत्पादन हेतु चीन तथा घरेलू उद्योग दोनों एक ही प्रकार की गैस फेज विधि का प्रयोग कर रहे हैं।

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

7. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पादन 1,1,1,2 टेट्राफ्लोरोईथेन अथवा सभी प्रकार के आर 134ए हैं जिसे टेट्राफ्लोरोईथेन जेनेट्रान 134ए, सुवा 134ए, अथवा एचएफसी 134सी, एचएफए 134ए अथवा नॉइफ्लूरेन भी कहा जाता है। यह एक हेलोएल्केन प्रशीतक है जिसके थर्मोडायनेमिक गुणधर्म आर-12 (डाइक्लोरो डाइफ्लूरोमीथेन) के समान होते हैं परन्तु ओजोन डिप्लीशन क्षमता नहीं होती। इसका रासायनिक सूत्र CH_2FCF_3 होता है और क्वथनांक -26.3 डि. से. (-15.34 डिग्री एफ) होता है। यह एक अक्रिय गैस है जिसका उपयोग प्राथमिक रूप से घरेलू प्रशीतन तथा ऑटोमोबाइल एयर कंडीशनरों में उच्च तापमान प्रशीतन हेतु किया जाता है। सम्बद्ध वस्तु के अन्य उपयोगों में प्लास्टिक फोम क्लोईंग क्लीनिंग सॉल्वेंट के रूप में उपयोग भेषजों (उदाहरणार्थ ब्रॉकोडायलेटर) की डिलीवरी हेतु प्रोपेलेंट के रूप में गैस डस्टर्स तथा एयर ड्रायर्स में सम्पीडित वायु से नमी हटाने में इसका उपयोग किया जाता है।

8. सम्बद्ध वस्तु का आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलीकृत वस्तु विवरण एवं कोडिंग प्रणाली) उपशीर्ष 2903 तहत "हाइड्रोकार्बनों के हैलेजन युक्त व्युत्पन्न" उष शीर्ष 29033919 के तहत अन्य फ्लोरीनयुक्त व्युत्पन्न के अंतर्गत किया जा रहा है। तथापि याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए कोई निर्धारित सीमा शुल्क कोड नहीं है और इसका आयात विभिन्न सीमाशुल्क उपशीर्षों के अन्तर्गत किया जा रहा है तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

9. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित उत्पादों और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है, जो मूल्य, उपयोग, गुणवत्ता आदि को प्रभावित करता हो। आवेदक ने यह भी दावा किया है कि उनके द्वारा एवं विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी एवं प्राथमिक उत्पादन प्रक्रिया तुलनीय है तथापि उपलब्ध सुविधाओं और जरूरतों के आधार पर प्रत्येक उत्पादक द्वारा अपनी उत्पादन प्रक्रिया का परिष्कार किया जाता है।

10. चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एंड सिलीकॉन इंडस्ट्री को छोड़कर विचाराधीन उत्पादन तथा समान वस्तु के दायरे के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार से कोई निवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पादन के उत्पादन हेतु घरेलू उपयोग द्वारा चीन के उद्यमों की तरह गैस फेज विधि का प्रयोग किया जाता है और शुद्धता के स्तर में परिवर्तन से विचाराधीन उत्पाद की प्रकृति नहीं बदलती। उत्पाद तथा आवेदक द्वारा प्रस्तुत आयात आँकड़ों की जांच से ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा चीन से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के बीच कोई अंतर नहीं है। विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रतिस्थापनीयता में समानता को देखते हुए प्राधिकारी का यह अनन्तिम अभिमत है कि इस मामले में विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करने के उद्देश्य से दोनों को समान तथा एक उत्पाद समझा जाना चाहिए।

घ. घरेलू उद्योग और स्थिति

11. यह आवेदन मैसर्स एस आर एफ लिमिटेड, गुड़गांव द्वारा प्रस्तुत किया गया है। आवेदक ने भारत में इस उत्पाद का एकमात्र उत्पादक होने का दावा किया है और किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने जांच शुरुआत के पश्चात किए गए निवेदनों में इस तथ्य का विरोध नहीं किया है। अतः प्राधिकारी की यह राय है कि आवेदक का भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादन में प्रमुख अनुपात है और उनका यह अभिमत है कि इस जांच के प्रयोजनार्थ मैसर्स एसआरएफ लिमिटेड को नियम 5(3) के अनुसार आवेदक प्रस्तुत करने का अधिकार है और वह नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

ड. न्यूनतम से कम सीमा

12. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एण्ड एस) तथा अन्य गौण स्रोतों से प्राधिकारी को आयात आंकड़ों तथा चीन जन गण के सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार सम्बद्ध वस्तुओं का आयात न्यूनतम से अधिक स्तर पर है ।

च. पाटन मार्जिन का निर्धारण**च.1 बाजार अर्थव्यवस्था दावे की जांच**

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत में पाटनरोधी जांचों में अन्य WTO सदस्य देशों द्वारा चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया था । अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबन्ध के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन गण को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है बशर्ते उपर्युक्त नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अवधारणा का खण्डन किया जाए ।

14. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबन्ध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी अवधारणा का खण्डन किया जा सकता है यदि चीन जन गण के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदण्डों के आधार पर सूचना तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करके उसके विपरीत सिद्ध कर देते हैं । चीन जनवादी गणराज्य के सम्बद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों /उत्पादकों से अपेक्षा की जाती है कि वह बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना /पर्याप्त साक्ष्य करें ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार करने में समर्थ हो सकें कि क्या :-

- (क) ऐसे देश में संबंधित फर्मों के कीमतों, लागत और निविष्टियों, कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन बिक्रियों और निवेश से संबंधित निर्णय बाजार संकेतों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं जिनमें पूर्ति और मांग प्रदर्शित होता है और इस संबंध में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती हैं ।
- (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे-खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान की दृष्टि से पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त पर्याप्त विकृतियों के अधीन हैं ।
- (ग) ऐसी फर्में दिवालियापन और संपत्ति संबंधी उन कानूनों के अधीन हैं जो इन फर्मों की कानूनी निश्चितता और प्रचालन के स्थायित्व की गारंटी देते हैं, और
- (घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत अधिसूचना जारी करने के बाद चीन जन गण से सम्बद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित उत्पादकों एवं निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं एवं गैर-बाजार अर्थव्यवस्था अवधारणा का खण्डन किया है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित उत्पादकों एवं निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली एवं बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली में दिए गए उत्तरों की जांच की गई :-

- क) साइनोकेम एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि.
- ख) साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियांग) कं. लि.
- ग) झेजियांग जुहुआ कं. लि.
- घ) झेजलांग कुहुआफ्लोर केमेस्ट्री कं. लि.
- ङ) झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेड कं. लि.
- च) ड्यू पांट ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि.

मेसर्स साइनोकेम एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) द्वारा किया गया निवेदन :-

16. मेसर्स साइनोकेम एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. द्वारा निवेदन किया गया है कि वह अक्टूबर 2005 में स्थापित चीन की विदेशी इक्विटी संयुक्त निवेश कम्पनी है। यह भी निवेदन किया गया है कि दिसम्बर 2008 से पूर्व ताइकांग में तीन शेयरधारक में अर्थात् साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियांग) कं. लि., साइनोकेम यूरोप कैपिटल कार्पोरेशन लि. और साइनोकेम निंगबो (ग्रुप) कं. लि., जिनकी शेयरधारिता का प्रतिशत इस कम्पनी में क्रमशः **%, **% तथा **% था। इसके अलावा साइनोकेम निंगबो (ग्रुप) कं. लि. दिसम्बर 2008 में अपने समस्त शेयर चाइना न्यू टेक्नालॉजी डेवलपमेंट ट्रेड कं. लि. को अन्तरि कर दिए थे।

17. जहां तक कच्चे माल की खरीद का संबंध है, मेसर्स साइनोकेम एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. ने निवेदन किया है कि उन्होंने प्रमुख कच्चे माल में से एक अर्थात् टीसीई की खरीद सम्बद्ध कम्पनी से की है। उत्पादन में प्रयुक्त अन्य कच्चा माल, जिसमें टीसीई तथा एएचएफ शामिल है, की खरीद स्वतंत्र आपूर्तिकर्ताओं से की गई है।

मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियांग) कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) द्वारा किया गया निवेदन

18. मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियांग) कं. लि. ने निवेदन किया है कि उनकी कम्पनी के **% शेयर राज्य के स्वामित्व की कम्पनी अर्थात् मेसर्स चाइना न्यू टेक्नालॉजी डेवलपमेंट ट्रेड कं. लि. द्वारा धारित हैं।

19. जहां तक कच्चे माल की खरीद का संबंध है मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियांग) कं. लि. ने निवेदन किया है कि उन्होंने प्रमुख कच्चे माल में से एक अर्थात् टीसीई की खरीद सम्बद्ध कम्पनी से की है। उत्पादन में प्रयुक्त अन्य कच्चा माल, जिसमें टीसीई तथा एएचएफ शामिल है, की खरीद स्वतंत्र आपूर्तिकर्ताओं से की गई है।

मेसर्स झेजियांग जुहुआ कं. लि. (उत्पादक) द्वारा किए गए निवेदन

20. मेसर्स झेजियांग जुहुआ कं. लि. ने अपनी एमईटी प्रश्नावली के उत्तर में निवेदन किया है कि वह झेजियांग जुहुआ ग्रुप की एक सहायक कम्पनी है, जिसका एकमात्र स्वामित्व झेजियांग प्रांत के एसेट्स सुपरविजन एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन कमीशन का है, जो राज्य के स्वामित्व में है। कम्पनी ने यह भी निवेदन किया है कि उन्होंने टीसीई का उत्पादन आबद्ध रूप में किया है और एएचएफ की खरीद बाजार मूल्य पर की है।

मेसर्स झेजलांग कुहुआफ्लोर केमेस्ट्री कं. लि. (निर्यातक) द्वारा किया गया निवेदन

21. मेसर्स झेजलांग कुहुआफ्लोर केमेस्ट्री कं. लि. ने अपनी एमईटी प्रश्नावली के उत्तर में निवेदन किया है कि वह झेजियांग जुहुआ कं. लि. की एक सहायक कम्पनी है ।

मेसर्स झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेड कं. लि. (निर्यातक) द्वारा किया गया निवेदन

22. उन्होंने एमईटी प्रश्नावली के उत्तर में निवेदन किया है कि उनकी कम्पनी की सहायक कम्पनी तथा झेजियांग कुहुआफ्लोर केमेस्ट्री कं. लि. की निर्यातक एजेंट है । इसके अलावा, मेसर्स झेजियांग जुहुआ ग्रुप इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कम्पनी लि., मेसर्स झेजियांग कुहुआफ्लोर केमेस्ट्री कं. लि. तथा मेसर्स झेजियांग जुहुआ कं. लि. संबंधित कम्पनियां हैं और झेजियांग जुहुआ ग्रुप के स्वामित्व में हैं ।

मेसर्स ड्यू पांट ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि. (निर्यातक) द्वारा किया गया निवेदन

23. मेसर्स ड्यू पांट ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि., चीन ने निवेदन किया है कि वह मेसर्स ड्यू-पांट चाइना होल्डिंग कंपनी लिमिटेड की 100% सहायक कम्पनी है । आगे यह भी निवेदन किया गया है कि मेसर्स साइनोकेम एन्वायरनमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. जो चीन के कानून के अंतर्गत संगठित एक निगम है आर 134 ए का एकमात्र आपूर्तिकर्ता (असंबंधित) है और सितम्बर 2008 से उसकी बहु वार्षिक संविदा है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

24. प्राधिकारी ने इस बात का संज्ञान लिया है कि चीन जन गण के निर्यातकों ने सुसंगत तथ्यों के साथ अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं जिनके आधार पर वे नियमावली के अनुबंध । के पैरा 8 में उल्लिखित अवधारणाओं और अपनी कंपनियों हेतु गैर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने के संबंध में उन्हें प्रेषित गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का खण्डन करना चाहते हैं । जहां तक कच्चे माल और अन्य संबंधित निविष्टियों, जिनमें मुख्यतः एएचएफ तथा टीसीई शामिल हैं, की खरीद का संबंध है, उत्पादकों/निर्यातकों ने निवेदन किया है कि उन्होंने इसकी खरीद चीन के बाजार मूल्य पर आंशिक रूप से सम्बद्ध/संबंधित कंपनियों से और आंशिक रूप से निजी पार्टियों से की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार तथा उत्पादन लागत के सही आकलन, दोनों दृष्टियों से कंपनियों द्वारा भुगतान की गई कच्चे माल के कीमतों का मुक्त जांच हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण है । निर्यातकों ने सत्यापन योग्य साक्ष्य के साथ अब तक यह सिद्ध नहीं किया है कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतें बाजार मूल्य को पर्याप्ततः प्रदर्शित करती हैं । ऐसी स्थिति में जब कच्चे माल की कीमतें अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित बाजार मूल्य से बहुत कम हों, तो न केवल बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार से संबंधित महत्वपूर्ण शर्त पूरी नहीं होती, बल्कि लागत का भी कमतर मूल्यांकन होता है । इसके अलावा प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण के उत्पादक/निर्यातक प्रत्यक्ष रूप से अथवा अपनी सहायक कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से राज्य के नियंत्रणाधीन हैं ।

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के महत्वपूर्ण मानदण्डों में से एक मानदण्ड को भी संतुष्ट नहीं किया जाता तो प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदासन करना व्यवहार्य नहीं होगा ।

26. उपर्युक्त के मद्देनजर प्रारम्भिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने चीन जन गण के प्रतिवादी उत्पादकों/प्राधिकारी ने चीन जन गण के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान नहीं किया है ।

छ. सामान्य मूल्य का निर्धारण

27. इस प्रकार प्राधिकारी ने चीन जन गण हेतु सामान्य मूल्य की संरचना उसे गैर बाजार अर्थव्यवस्था मानते हुए की है और जापान के मामले में वहां से कोई उत्तर प्राप्त नहीं होने के कारण कच्चे माल की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार किया है जिसमें घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत, बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक व्ययों तथा समुचित लाभ को विधिवत समायोजित किया गया है ।

छ.1 जापान हेतु सामान्य मूल्य

28. जापान के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है और प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरूआत अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और सूचना प्रस्तुत नहीं की है । इसे ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी द्वारा जापान में सम्बद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री कीमतों से संबंधित सूचना सार्वजनिक डोमेन से प्राप्त करने हेतु प्रयास किए गए । परन्तु सार्वजनिक डोमेन में संबंधित विश्वसनीय आंकड़ों के अभाव के कारण प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास करते हुए जापान के संबंध में सामान्य मूल्य की संरचना अनन्तिम रूप से दी है जो उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है । सामान्य मूल्य की संरचना के प्रयोजनार्थ कच्चे माल को अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों, और अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों की अनुपलब्धता के मामले में कच्चे माल की घरेलू कीमत पर विश्वास किया गया है । घरेलू उद्योग के अनुसार कच्चे माल के खपत मानदण्डों, विधिवत समायोजित लागत तथा विविध आय पर विचार किया गया है । इस प्रकार 5% के लाभ की समुचित मार्जिन को जोड़ने के बाद संरचित सामान्य मूल्य *** अम. डॉलर/किग्रा निर्धारित किया गया है ।

छ.2 चीन जन गण हेतु सामान्य मूल्य

29. उपर्युक्त दर्ज सूचना के अनुसार चीन जन गण के प्रतिवादी निर्यातकों हेतु बाजार अर्थव्यवस्था के निर्धारण के संबंध में महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिनकी और आगे जांच तथा सत्यापन किया जाना अपेक्षित है । अतः चीन जन गण के प्रतिवादी उत्पादकों एवं निर्यातकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के बारे में किए गए दावों के जांच तथा सत्यापन लंबित रहने तक प्राधिकारी ने प्रारम्भिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ चीन जन गण हेतु सामान्य मूल्य की अनन्तिम संरचना नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार की है ।

30. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंधित है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत

उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच के संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

31. प्राधिकारी ने जांच शुरुआत अधिसूचना में उल्लेख किया था कि उपर्युक्त प्रावधान के अनुसरण में चीन जन गण में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा कार्यवाही के दौरान किसी समुचित तीसरे देश के बारे में सूचित किया जाएगा । तथापि आवेदकों सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उपर्युक्त प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले समुचित तीसरे देश के चयन हेतु प्राधिकारी के समक्ष कोई वास्तविक तथ्य प्रस्तुत नहीं किए हैं । घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तसरे देशों में सम्बद्ध वस्तुओं की कीमत तथा लागत से संबंधित आंकड़े जुटाने हेतु प्रयास किए हैं, परन्तु इस संबंध में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोई सूचना जुटाई नहीं जा सकी । यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया है कि तीसरे देश की लागत एवं कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी के लिए घरेलू बिक्री अथवा तीसरे देश में निर्यात बिक्री तथा उत्पादन लाभ से संबंधित पूर्ण तथा व्यापक सूचना की जरूरत होगी और तीसरे देश के ऐसे उत्पादकों का सहयोग भी अपेक्षित होगा, जो आवेदक प्राप्त करने में असमर्थ है । चीन की प्रतिवादी कंपनियों ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी समुचित तीसरे देश के संबंध में कोई दावा नहीं किया है । अतः घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि इस मामले में भारत को चीन का समुचित सहोदर देश माना जाए और सामान्य मूल्य का निर्धारण तदनुसार किया जाए ।

32. इन मुद्दों की आगे जांच लंबित रहने तक प्राधिकारी प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध - I के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार अन्य समुचित आधार पर चीन जन गण में सामान्य मूल्य के अनंतिम निर्धारण हेतु कार्यवाही करते हैं । तदनुसार चीन जन गण के सभी निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पाद का कारखाना - द्वार सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अनंतिम रूप से संरचित किया गया है । सामान्य मूल्य उत्पादक / निर्यातक के खपत संबंधी मानदंडों एवं प्रमुख कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और अंतर्राष्ट्रीय कीमत की अनुपलब्धता की स्थिति में कच्चे माल को घरेलू कीमत पर विचार करते हुए संरचित किया गया है । इसके अलावा सामान्य मूल्य के निर्धारण में विधिवत समायोजित परिवर्तन लागत और घरेलू उद्योग के एस जी ए व्ययों को भी अपनाया गया है । समुचित लाभ की 5% की मार्जिन को जोड़ने के बाद चीन जन गण के संबंध में सामान्य मूल्य *** अम. डॉलर/किग्रा निर्धारित किया गया है ।

ज. निर्यात कीमत का निर्धारण

ज.1 चीन जन गण के सहयोगी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

मेसर्स साइनोकेम एन्वायरनमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि.

33. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का सौदेवार ब्यौरा प्रस्तुत किया है । प्रारम्भिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु सभी निर्यात सौदों पर विचार किया गया है । पैकिंग, अन्तर्देशीय माल भाड़े एवं पत्तन प्रभार विदेशी माल भाड़े, विदेशी बीमे निकासी तथा प्रहस्तन प्रभारों एवं अन्य विविध प्रभारों से संबंधित दावों की अनुमति सत्यापन के अध्याधीन प्रदान की गई है । इस विधि से कारखाना-द्वार भारित औसत निर्यात कीमत ***** अम. डॉलर/किग्रा निर्धारित की गई है ।

मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियान) कं. लि.

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्स साइनोकेम एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. एवं मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियान) कं. लि. एवं दूसरे से संबंधित है और मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियान) कं. लि. में प्रमुख शेयरधारक मेसर्स साइनोकेम एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. में भी शेयरधारक हैं। इसके अलावा मेसर्स साइनोकेम एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. की पितृ कंपनी स्वीकृत रूप से मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियान) कं. लि. है, जो सम्बद्ध पण्य वस्तुओं का उत्पादन व बिक्री करती है। मेसर्स साइनोकेम एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग) कं. लि. की उत्पादन क्षमता मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियान) कं. लि. की उत्पादन क्षमता की तुलना में काफी अधिक है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इन दोनों कंपनियों की उत्पादन लागत की रेंज लगभग समान होने के बावजूद इन कंपनियों द्वारा प्रभारित सकल कीमत में पर्याप्त अंतर है। प्रस्तुत की गई सूचना से यह नोट किया गया कि यह अंतर मूलतः बल्क छूट के कारण है। निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का सौदेवार ब्यौरा प्रस्तुत किया है। प्रारम्भिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु सभी निर्यात सौदों पर विचार किया गया है। पैकिंग, अन्तर्देशीय मालभाड़े, तथा पत्तन प्रभार, समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमे के संबंध में किए गए दावों की अनुमति सत्यापन के अध्यधीन प्रदान की गई है। उपर्युक्त को देखते हुए कारखाना - द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने हेतु प्राधिकारी ने समान उत्पादन लागत के कारण *** आरएमबी प्रति किग्रा की छूट के समायोजन पर भी विचार किया है। इस विधि से मेसर्स साइनोकेम मॉडर्न एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (जियान) कं. लि. हेतु कारखाना-द्वार निर्यात कीमत *** अम. डॉलर/किग्रा निर्धारित की गई है।

मेसर्स ड्यू पांट ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि.

35. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का सौदेवार ब्यौरा प्रस्तुत किया है। प्रारम्भिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु सभी निर्यात सौदों पर विचार किया गया है। निवल निर्यात कीमत ज्ञात करते समय निर्यातक ने पैकिंग प्रभारों, अन्तर्देशीय मालभाड़े, समुद्री मालभाड़े तथा बीमा प्रीमियम हेतु समायोजन किया है। इसके अलावा कारखाना-द्वार भारित औसत निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए घरेलू तौर पर खरीदी गई वस्तुओं और ड्यू पांट ट्रेडिंग की लाभ मार्जिन का भी समायोजन किया गया है। इस विधि से मेसर्स ड्यू पांट ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि. हेतु कारखाना -द्वार निर्यात कीमत *** अम. डॉलर/किग्रा निर्धारित की गई है।

मेसर्स झेजलांग कुहुआफ्लोर - केमेस्ट्री कं. लि. तथा झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेडिंग कं. लि.

36. मेसर्स झेजलांग कुहुआफ्लोर - केमेस्ट्री कं. लि. ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का सौदेवार ब्यौरा प्रस्तुत किया है और निवेदन किया है कि मेसर्स झेजियांग जुहुआ कं. लि. (सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादक) से सम्बद्ध वस्तुओं की खरीद के बाद मेसर्स झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेड कं. को अपना निर्यात एजेंट नियुक्त किया और एल/सी विमर्शित भुगतान प्राप्त करने के बाद यानांतरण और सीमाशुल्क घोषणा की गई और भुगतान प्राप्त किया गया। तथापि उनके उत्तर का अवलोकन करते हुए प्राधिकारी ने नोट किया कि नमूना बीजकों तथा अन्य निर्यात दस्तावेजों की प्रतियां मेसर्स झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेड कं. लि. के नाम धारित हैं; इस प्रकार वही भारत के लिए वास्तविक निर्यातक हैं। इसके अलावा मेसर्स झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेड कं. लि. जिन्होंने निर्यातक प्रश्नावली तथा एमईटी प्रश्नावली के उत्तर भी प्रस्तुत किए हैं ने निवेदन किया है कि वह जांचाधीन उत्पाद के वास्तविक निर्यातक नहीं हैं और मात्र एक निर्यात एजेंट है। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी निर्यात दस्तावेज मेसर्स झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेड कं. लि. के नाम पर हैं। चूंकि उत्पादन तथा भारत को सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात के

संबंध का पूर्ण स्पष्टीकरण प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार नहीं दिया गया, अतः प्राथमिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ मेसर्स झेजलियांग कुहुआफ्लोर केमेस्ट्री कं. लि. अथवा झेजियांग जुहुआ गोंगलियान फॉरेन ट्रेड कं. लि. के संबंध में अलग से निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं किया गया है ।

ज.2 चीन के असहयोगी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

37. चूंकि चीन जन गण से सम्बद्ध वस्तुओं के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, अतः पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा उनकी निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के अनुसार करने का निर्णय लिया गया । आवेदक द्वारा आईबीआईएस स्रोत के आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार आंकड़ों का संकलन किया गया और चीन जन गण के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में कारखाना -द्वार कीमत ज्ञात करने हेतु सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर पैकिंग, अन्तर्देशीय मालभाड़े तथा पत्तन प्रभार, समुद्री मालभाड़े समुद्री बीमे, निकासी तथा प्रहस्तन प्रभार तथा अन्य विविध प्रभारों से संबंधित समायोजन किए गए । उपर्युक्त विधि को अपनाते हुए कारखाना -द्वार निर्यात कीमत **** अम. डॉलर /किग्रा निर्धारित की गई है ।

ज. 3 जापान के निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

38. जापान के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है । अतः कारखाना-द्वार निर्यात कीमत की गणना हेतु जापान से हुए निर्यातों के संबंध में आईबीआईएस, मुम्बई द्वारा सूचित आंकड़ों पर विश्वास किया गया है । चूंकि ये सौदे सीआईएफ आधार पर किए गए हैं, अतः कारखाना-द्वार निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमे, प्रहस्तन प्रभारों पत्तन व्ययों हेतु समायोजन किए गए हैं । उपर्युक्त विधि को अपनाते हुए जापान के निर्यातकों हेतु कारखाना -द्वार निर्यात कीमत *** अम. डॉलर/किग्रा निर्धारित की गई है ।

झ. पाटन मार्जिन

39. पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कारखाना-द्वार सामान्य मूल्य तथा अनन्तिम रूप से निर्धारित उपर्युक्त निर्यात कीमतों की तुलना व्यापार के समान स्तर पर की गई है और सम्बद्ध देशों के निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन का अनन्तिम रूप से निर्धारण किया गया है । उपर्युक्त निर्धारित सामान्य मूल्यों तथा निर्यात कीमतों के आधार पर निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका में किया गया है :-

निम्नलिखित देश के निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य (अम. डॉलर)	निर्यात कीमत (अम. डॉलर)	पाटन मार्जिन (अम. डॉलर)	पाटन मार्जिन %
जापान	***	***	***	55-65
चीन जन गण	***	***	***	
साइनोकेम एनवायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स (ताइकांग)	***	***	***	30-40
साइनोकेम एनवायर्नमेंटल प्रोटेक्शन केमिकल्स	***	***	***	30-40

(जिआन)				
ड्यू पांट	***	***	***	35-45
अन्य	***	***	***	45-55

40. इस प्रकार अनन्तिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक हैं और न्यूनतम स्तर से अधिक हैं।

अ. क्षति निर्धारण की विधि तथा कारणात्मक संबंध की जांच

अ.1 निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

41. चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एण्ड सिलीकॉन इण्डस्ट्री को छोड़कर, जिनके विचार इस जांच परिणाम में पैरा 4 में दिए गए हैं और जिन्होंने घरेलू उद्योग पर सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के प्रभाव से इंकार किया है, प्रतिवादी निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने कोई विशिष्ट विचार व्यक्त नहीं किया है।

अ.2 घरेलू उद्योग के विचार

42. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :-

- क) जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से निर्यात कीमत पाटित स्तर पर बनी रही है। इसके अलावा इन कीमतों में निविष्टि कीमतों की तुलना में अधिक गिरावट आई है।
- ख) घरेलू उद्योग का लाभ/हानि (पीबीटी, पीबीआईटी तथा पीबीडीआईटी) में उल्लेखनीय गिरावट आई और जांच अवधि के दौरान ये नकारात्मक भी हो गए।
- ग) प्रत्येक सम्बद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हुई।
- घ) सम्बद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान कीमत में भारी कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इस प्रकार आयातों के कारण इस अवधि के दौरान कीमतहास हुआ।
- ङ) सम्बद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा अत्यधिक स्तर पर बना रहा। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप इस मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों के अनुसार बाजार हिस्से में पर्याप्त सुधार नहीं किया जा सका।
- च) घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है।
- छ) वेतन एवं मजदूरी: प्रति इकाई उत्पादन के स्तर पर वेतन एवं मजदूरी में गिरावट देखी गई है।
- ज) मांग तथा बाजार हिस्सा: आयातों के बाजार हिस्से में जहां वृद्धि हुई, वहीं सम्बद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि नहीं की जा सकी।
- झ) वृद्धि: लाभ, निवेश से आय तथा नकद लाभ के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक हो गई।

अ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चाइना एसोसिएशन ऑफ फ्लोरीन एण्ड सिलीकॉन इण्डस्ट्री को छोड़कर, जिनके विचार इस जांच परिणाम में पैरा 4 में दिए गए हैं और जिन्होंने घरेलू उद्योग पर सम्बद्ध देशों से

सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के प्रभाव से इंकार किया है, प्रतिवादी निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने कोई विशिष्ट विचार व्यक्त नहीं किया है। तथापि चीन के उक्त एसोसिएशन द्वारा व्यक्त विचारों के साथ कोई भी प्रमाण संलग्न नहीं किया गया है।

44. चीन और जापान से किए गए पाटन की सीमा और अस्तित्व की जांच के बाद प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, तथा पाटित आयातों एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच की है। प्राधिकारी का अभिमत है कि आवेदक कंपनी अर्थात् मेसर्स एसआरएफ लिमिटेड का पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अन्तर्गत जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं के भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है। अतः नियमावली के अर्थ के भीतर क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवेदक कंपनी को घरेलू उद्योग माना गया है।

45. रिलायंस इण्डस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार क्षति निर्धारण तथा समस्त घरेलू उद्योग हेतु क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सम्बद्ध वस्तुओं के सभी इष्टतम उत्पादकों से लागत एवं क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जाना अपेक्षित है। तथापि सम्बद्ध मामले में मेसर्स एसआरएफ लिमिटेड देश में सम्बद्ध वस्तु के एकमात्र उत्पादक होने के कारण प्रारम्भिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवेदक घरेलू उत्पादक, जो नियम 2 (ख) में यथा परिभाषित घरेलू उद्योग है, की लागत एवं क्षति संबंधी सूचना पर विचार किया गया है।

46. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

47. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच हेतु उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध II के अनुसार घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों यथा उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की सीमा एवं मार्जिन आदि पर विचार किया गया है।

48. चीन तथा जापान से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति के संबंध में प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध अनिवार्य तथ्य निम्नानुसार है, जो प्राधिकारी द्वारा किए गए प्रारंभिक निर्धारण का आधार हैं। डीजीएडी द्वारा अपनाई गई पद्धति के अनुसार क्षति अवधि में जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों को शामिल किया जाता है। सम्बद्ध मामले में जांच की अवधि 1 अप्रैल 2008 से शुरू होकर 31 मार्च 2009 (12 माह) तक की है। तथापि क्षति की जांच अवधि में वर्ष 2007-08 और जांच अवधि को शामिल किया जाएगा, क्योंकि आवेदक द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन वर्ष 2007-08 से ही शुरू किया गया था। अतः घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक कारकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा आदि की जांच उक्त क्षति अवधि के सन्दर्भ में की गई है। तथापि आयातों (मात्रा तथा मूल्य) से संबंधित सूचना पूर्ववर्ती तीन वर्षों के संबंध में भी उपलब्ध होने के कारण क्षति विश्लेषण में चार वर्षों की अवधि अर्थात् जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों को शामिल किया गया है।

ट. क्षति का संचयी आकलन

49. नियमावली के अनुबंध II (iii) के अनुसार यदि एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

(क) अलग-अलग देशों से हुए आयात के संबंध में पाटन मार्जिन, निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त न्यूनतम सीमा से अधिक हैं अर्थात् आयातों के 3% से अधिक हैं प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों के 3% से अधिक बनती है, और,

(ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है ।

50. प्राधिकारी ने पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पाटन का मार्जिन 2% से अधिक रहा है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक रही है ।

51. आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों का आकलन करने की दृष्टि से प्राधिकारी नोट करते हैं कि -

क. विदेशी उत्पादक द्वारा आपूर्ति की गई और घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तु परस्पर समान वस्तु हैं ।

ख. प्राधिकारी ने पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित आर-134 ए को वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित करती है ।

ग. प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई सूचना से यह तर्कसंगत संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से किए गए निर्यात समान बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि ये समान उत्पाद हैं ।

52. अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु के आयातों के घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु प पड़ने वाले प्रभाव का आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में संचयी आकलन करना उचित है ।

53. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है (अन्य हितबद्ध पक्षकार से कोई उत्तर नहीं मिला था)

54. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में निम्नलिखित दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी :

(क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और

(ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव

55. प्राधिकारी के लिए पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय यह अपेक्षित है कि वह इस बात की जांच करें कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन अथवा खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । पाटित आयातों के कीमत प्रभावों के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात

की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में भारी मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्थिति तक बढ़ गई होगी ।

56. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के घरेलू उद्योग पर संचयी प्रभाव और उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों पर इसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति की मौजूदगी और पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, का मूल्यांकन किया जा सके । चूंकि संबद्ध देशों से निर्यातों के लिए भारी पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है, इसलिए क्षति विश्लेषण और कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से हुए समस्त आयातों को पाटित आयात माना गया है ।

ठ. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

57. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। जहां तक आयात की मात्रा का संबंध है, डी जी सी आई एंड एस के आयात संबंधी आंकड़े तथा द्वितीयक स्रोतों अर्थात् आई बी आई एस द्वारा बताए गए आयात आंकड़ों की जांच की गई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में भिन्न-भिन्न नामों और भिन्न-भिन्न सीमाशुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत भारत में किए जा रहे संबद्ध वस्तु के आयातों को शामिल नहीं किया गया है और इसलिए आई बी आई एस स्रोत से प्राप्त आंकड़ों पर भरोसा किया गया है अतः आई बी आई एस स्रोत के आधार पर सौदा स्तर के आंकड़ों पर भरोसा किया गया है और आयातों की मात्रा और मूल्य का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :

ठ.1 आयात मात्राएं और संबद्ध देशों का हिस्सा

58. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है।
59. प्राधिकारी ने आई बी आई एस स्रोत से आयातों के सौदावार आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा की जांच की है:

मात्रा : मी.ट. में

अवधि	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
देश				
चीन जन.गण.	551	687	1123	1313
प्रवृत्ति	100	125	204	238
जापान	1057	564	992	957
प्रवृत्ति	100	53	94	91

अन्य	812	1059	1318	1281
प्रवृत्ति	100	130	162	158
कुल	2420	2310	3433	3551
प्रवृत्ति	100	95	142	147
संबद्ध देशों का हिस्सा (%)	66	54	62	64
प्रवृत्ति	100	82	94	97

60. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि चीन जन.गण. से हुए आयातों की मात्रा में समग्र रूप से लगातार वृद्धि हुई है जो 2005-06 के दौरान 551 मी.ट. से बढ़कर 2008-09 (जांच अवधि) के दौरान 1313 मी.ट. हो गए हैं। जापान के मामले में आयात मात्रा में 2005-06 के दौरान 1057 मी.ट. से 2006-07 के दौरान 564 मी.ट. तक की भारी गिरावट आई है और तत्पश्चात् 2007-08 के दौरान इनमें 992 मी.ट. तक की भारी वृद्धि हुई है और 2008-09 के दौरान ये मामूली रूप से घटकर 557 मी.ट. हो गए थे। कुल आयातों में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2005-06 तथा 2007-08 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगभग समान स्तर पर रहा है।

ठ.2. मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

ठ.2.1. मांग में वृद्धि

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
मांग का निर्धारण					
➤ चीन से आयात	मी.ट.	551	687	1123	1313
➤ जापान से आयात	मी.ट.	1057	564	992	957
➤ संबद्ध देश	मी.ट.	1608	1251	2115	2270
➤ अन्य देशों से आयात	मी.ट.	812	1059	1318	1281
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	-	-	909	1421
मांग निर्धारण	मी.ट.	2420	2310	4342	4972

61. यद्यपि, घरेलू उद्योग का वाणिज्यिक उत्पादन वर्ष 2007-08 के दौरान शुरू हुआ है, तथापि मांग का विश्लेषण वर्ष 2005-06 और 06-07 में हुए आयातों के आधार पर भी किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में संबद्ध वस्तु की मांग में वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 100% से अधिक की वृद्धि हुई है और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 15% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि समग्र रूप से मांग में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 630 मी.ट. तक की वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग का हिस्सा इसी अवधि के दौरान बढ़कर 512 मी.ट. हो गया है।

ठ.2.2 मांग में बाजार हिस्सा

मांग में बाजार हिस्सा	इकाई	2007-08	2008-09
चीन से आयात	%	25.86	26.41

जापान से आयात	%	22.85	19.25
संबद्ध देशों से आयात	%	48.71	45.66
अन्य देशों से आयात	%	30.35	25.76
घरेलू उद्योग	%	20.94	28.58
अन्य उत्पादक	%	0	0

62. प्राधिकारी द्वारा यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में चीन से हुए आयातों में मामूली वृद्धि हुई है और जापान से हुए आयातों में मामूली कमी आई है। तथापि, इस अवधि के दौरान संबद्ध देशों और अन्य देशों के आयातों का समग्र हिस्सा कम हुआ है। इसके विपरीत पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में वृद्धि हुई है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2007-08 में ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है और इसलिए देश में नई उत्पादन सुविधा के आरंभ होने के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आयातों में थोड़ी गिरावट आना सुस्पष्ट है। तथापि, आवेदक ने बढ़ती हुई मांग में काफी अधिक बिक्रियों/बाजार हिस्से की प्रत्याशा/अनुमान (उनकी परियोजना रिपोर्ट के अनुसार) लगाया था परंतु इसके विपरीत जांच अवधि के दौरान काफी कम स्तर प्राप्त हो पाया था।

ठ.3. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

	इकाई	2007-08	2008-09
क्षमता	मी.ट.	3,000	3,000
उत्पादन	मी.ट.	1,061	1,343
क्षमता उपयोग	%	35.37%	44.77%
घरेलू बिक्री	मी.ट.	909	1,421
मांग	मी.ट.	4,342	4,972

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों में समग्र और सापेक्ष दोनों दृष्टियों से वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में भारी मांग के बावजूद योजनागत/अनुमानित क्षमता उपयोग के स्तर से काफी कम स्तर पर प्रचालन किया है। इस प्रकार पाटन के कारण घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का पर्याप्त रूप से उपयोग नहीं कर पाया है।

ड. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

64. नियम 18 के उप नियम (2) में यथाउल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में भारी मात्रा में कमी करना रहा है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना रहा है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होती।
65. संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच

की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) और क्षति रहित कीमत (एन आई पी) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है।

ड.1. विचाराधीन अवधि के दौरान कीमत का मूल्यांकन

	इकाई	2007-08	2008-09
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94
बिक्री कीमत (एनएसआर)	रु./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री लागतों में *** तक की गिरावट आई है। इसी प्रकार संगत अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत में भी *** तक की कमी आई है।

ड.2. कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव

	इकाई	2007-08	2008-09
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***
पहुंच कीमत			
जापान	रु./किग्रा.	***	***
चीन जन.गण.	रु./किग्रा.	***	***
कुल संबद्ध देश	रु./किग्रा.	***	***
कीमत कटौती			
जापान	रु./किग्रा.	-	***
चीन जन.गण.	रु./किग्रा.	-	***
कुल संबद्ध देश	रु./किग्रा.	-	***
कीमत कटौती (%)			
जापान	%	-	10-20
चीन जन.गण.	%	-	1 - 10
कुल संबद्ध देश	%	-	5 - 15
क्षति रहित कीमत	रु./किग्रा.	-	***
कम कीमत पर बिक्री			
जापान	रु./किग्रा.	-	***
चीन जन.गण.	रु./किग्रा.	-	***
कुल संबद्ध देश	रु./किग्रा.	-	***
कम कीमत पर बिक्री (%)			
जापान	%	-	50 - 60

चीन जन.गण.	%	-	40 -50
कुल संबद्ध देश	%	-	45 - 55

67. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति ज्ञात करते समय घरेलू उद्योग द्वारा दी गई रिबेटों, छूटों और कमीशनों तथा प्रदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को घटाया गया है। कीमत कटौती का निर्धारण संपूर्ण जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करके किया गया है। चीन जन.गण. और जापान के लिए कीमत कटौती का निर्धारण अलग-अलग किया गया है और संबद्ध देशों के लिए समग्र रूप से इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य का परिकलन संबद्ध देशों से आयात कीमतों के आई बी आई एस आंकड़ों में बताए गए मूल्य में 1% पहुंच प्रभार और लागू मूल सीमा शुल्क को जोड़कर किया गया है। चीन जन.गण. और जापान से कीमत कटौती क्रमशः *** % और *** % के रूप में निर्धारित की गई है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संचयी कीमत कटौती *** % के रूप में निर्धारित की गई है।

68. कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत के साथ की गई है। चीन जन.गण. और जापान से कम कीमत पर बिक्री *** % और *** % के रूप में निर्धारित की गई है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कम कीमत पर की गई संचयी बिक्री *** % के रूप में निर्धारित की गई है।

69. संबद्ध देशों की मात्रा और आयात कीमत के उतार चढ़ाव का विश्लेषण वर्ष 2005-06 और उसके बाद के वर्षों के लिए निम्नांकित तालिका में किया गया है:

आयात की मात्रा	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
चीन	मी.ट.	551	687	1123	1313
जापान	मी.ट.	1056	564	991	957
औसत आयात कीमत					
चीन	रु./किग्रा.	***	***	***	***
जापान	रु./किग्रा.	***	***	***	***
घरेलू निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	---	---	***	***

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से निर्यात कीमत वर्ष 2005-06 के दौरान *** रुपए प्रति किग्रा. रही थी और वर्ष 2006-07 के दौरान यह घटकर *** रुपए प्रति किग्रा. रह गई थी और वर्ष 2007-08 के दौरान यह और घटकर *** रुपए प्रति किग्रा. रह गई थी। इसी प्रकार जापान से निर्यात कीमतें वर्ष 2005-06 के दौरान *** रुपए प्रति किग्रा. रह गई थी और वर्ष 2006-07 के दौरान इनमें *** रुपए प्रति किग्रा. तक की मामूली वृद्धि हुई थी, वर्ष 2006-07 के दौरान ये तेजी से घटकर *** रुपए रह गई थी और जांच अवधि के दौरान ये पुनः मामूली रूप से बढ़कर *** रुपए प्रति किग्रा. हो गई थी। यह स्पष्ट है कि वर्ष 2007-08 के दौरान दोनों संबद्ध देशों ने अपनी कीमतें तेजी से घटाई हैं जब घरेलू उद्योग ने अपना वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया था। संबद्ध देशों के ऐसे हतोत्साहजनक बाजारी व्यवहार के बावजूद चूंकि घरेलू उद्योग आयात कीमतों से अधिक कीमतें प्राप्त करने में सक्षम रहा था, इसलिए जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों ने अपनी कीमतें बढ़ा दी थीं। फिर

भी घरेलू उद्योग को इनसे क्षति हुई थीं ।

ड.3 पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत हासकारी प्रभाव:

71. पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत हास संबंधी प्रभाव की जांच उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य के संदर्भ में भी की गई थी । कीमत न्यूनीकरण तब मौजूद होता है जब उद्योग की कीमतें पूर्ववर्ती अवधि के स्तर से कम रही हों । कीमत हास तब पाया जाता है, जब पाटन के कारण ऐसी कीमत वृद्धि नहीं हो पाती है जो अन्यथा उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण हो गई होती ।

विवरण	इकाई	2007-08	जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94
बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.		
जापान	रु./किग्रा.	***	***
चीन जन.गण.	रु./किग्रा.	***	***
संबद्ध देश	रु./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117

72. उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि कीमत हास मौजूद है क्योंकि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष की कीमत से कम रही है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि बिक्री लागतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी अधिक रही है । अपने प्रचालन का दूसरा वर्ष होने के बावजूद घरेलू उद्योग की कीमतें पाटित आयातों के कारण उसकी उत्पादन लागत से भी काफी कम स्तर पर रही हैं । यद्यपि, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में गिरावट आई है परंतु घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से इसका काफी अधिक रहना जारी है और अपेक्षाकृत सस्ते आयात के कारण घरेलू उद्योग अपनी बिक्री लागत के स्तर को भी प्राप्त नहीं कर सका था । उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक ओर अपनी बिक्री लागतों को प्राप्त नहीं कर सका है और दूसरी ओर पाटित आयातों के कारण संबद्ध देश के निर्यातकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में भी सक्षम नहीं रहा है ।

ड. क्षति संबंधी अन्य मापदंडों की जांच

73. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमतों तथा आयातों की मात्रा और मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा विभिन्न खंडों के बाजार हिस्से के साथ मांग की प्रवृत्ति जैसे प्रमुख क्षति संबंधी संकेतकों की पूर्ववर्ती खंड में जांच करने के बाद अन्य आर्थिक मापदंडों जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी का संकेत मिल सकता है, का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :

ड.1. लाभ और नकद प्रवाह पर कीमत के वास्तविक और संभावित प्रभाव

	इकाई	2007-08	2008-09
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94

बिक्री कीमत (एनएसआर)	रू./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96
लाभ/हानि	रू./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-91
लाभ/कर पूर्व हानि	लाख रुपए	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-142
पी बी आई टी	लाख रुपए	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-150
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-183

74. उक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान *** % की गिरावट आई है। जबकि जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में *** % की गिरावट आई है। यद्यपि, जांच अवधि के दौरान प्रति इकाई घाटे में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में कमी आई है, परंतु जांच अवधि में घरेलू उद्योग को भारी घाटा होना जारी रहा है।

ढ.2. निवेश पर आय तथा पूंजी जुटाने की क्षमता

	इकाई	2007-08	2008-09
पी बी आई टी	लाख रुपए	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-150
निवल स्थायी परिसंपत्ति	लाख रुपए	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96
कार्यशील पूंजी	लाख रुपए	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	62
लगाई गई पूंजी	लाख रुपए	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92
लगाई गई पूंजी पर आय (एन एफ ए आधार)	%	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-162

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों के लिए नियोजित पूंजी पर आय में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारी कमी हुई है और जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं से ऋणात्मक आय प्राप्त हुई थी।

ढ.3 उत्पादकता

	इकाई	2007-08	2008-09
उत्पादन	मी.ट.	1,061	1,343
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127

कर्मचारियों की संख्या	सं.	24	27
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट./सं.	44.20	49.75
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113

76. प्रति कर्मचारी उत्पादन संबंधी आंकड़े यह दर्शाते हैं कि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादकता में 13% की वृद्धि हुई है।

ढ.4 रोजगार तथा मजदूरी

	इकाई	2007-08	2008-09
रोजगार (जन शक्ति)	सं.	24	27
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113
मजदूरी	लाख रुपए	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111

77. रोजगार के स्तर और मजदूरी में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। ऐसा इस तथ्य के कारण भी हो सकता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2007-08 के दौरान ही संबद्ध वस्तु का उत्पादन शुरू किया है। भारी घाटा उठाने के बावजूद घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान मजदूरी में ***% की वृद्धि करने में सक्षम रहा है।

ढ.5 मालसूची

मालसूची	इकाई	2007-08	2008-09
औसत	मी.ट.	255	164
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की औसत मालसूची वर्ष 2007-08 के दौरान 255 मी.ट. से घटकर जांच अवधि के दौरान 164 मी.ट. रह गई है। सूचीबद्ध रूप में औसत मालसूची वर्ष 2007-08 के दौरान 100 से घटकर जांच अवधि के दौरान 64 रह गई है।

ढ.6. वृद्धि

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन और घरेलू बिक्रियों में वृद्धि, क्षमता उपयोग में वृद्धि, उत्पादकता में वृद्धि, प्रति इकाई घाटे में कमी और अंतिम माल सूची में कमी की दृष्टि से सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है। तथापि, ऐसे सकारात्मक वृद्धि संबंधी संकेतकों के बावजूद घरेलू उद्योग को कम बिक्री कीमत के कारण भारी घाटा होना जारी है।

ढ.7. नया निवेश जुटाने की क्षमता

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु की क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं किया है और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कोई नया निवेश नहीं किया गया है क्योंकि याचिकाकर्ता ने हाल ही में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है।

ढ.8 पाटन की मात्रा

81. उस सीमा के एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा जहां तक पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, दर्शाती है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक रहा है ।

ढ.9 कीमत को प्रभावित करने वाले कारक

82. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में संबद्ध आयात की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों में भारी कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होती । घरेलू बाजार पर आयातों के प्रभाव का आकलन करने की दृष्टि से निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान आयात कीमतों का विश्लेषण किया है । यह पाया गया था कि जांच अवधि में प्रति कि.ग्रा. पहुंच मूल्य दोनों संबद्ध देशों के संबंध में आर-134 ए की निवल बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत, दोनों से कम रहा था । घरेलू उद्योग और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापन वस्तुओं की कीमतों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण लागत संरचना में परिवर्तन यदि कोई हो, की जांच उन कारकों के विश्लेषण हेतु की गई है, जिनसे घरेलू बाजार में कीमतें प्रभावित होने की संभावना थी । उत्पादन लागत में जांच अवधि के दौरान ***% की गिरावट आई है जबकि इसी अवधि के दौरान निवल बिक्री कीमत में ***% तक की गिरावट आई है । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अपने प्रचालनों का दूसरा वर्ष होने के बावजूद घरेलू उद्योग की कीमतें उसकी उत्पादन लागत के स्तर से काफी कम स्तर पर रही हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे भारतीय बाजार में कीमत कटौती हुई है । जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती 5-15% के बीच रही थी और जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री 45-55% के बीच रही थी ।

ण. क्षति संबंधी निष्कर्ष

83. संबंधित कारकों के उपर्युक्त प्रारंभिक विश्लेषण से यह पता चलता है कि समग्र रूप से उत्पादन और बिक्रियों में सुधार होने, क्षमता उपयोग में वृद्धि, उत्पादकता में वृद्धि, प्रति इकाई घाटे में कमी, बाजार हिस्से में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग को बिक्री कीमत में कमी के कारण भारी घाटा उठाना पड़ा है क्योंकि उस दौरान बिक्री लागत काफी अधिक रही थी और संबद्ध देशों से पाटन हुआ था ।

84. संबद्ध देशों से हुए आयात अपनी पर्याप्त मौजूदगी बनाए हुए हैं और इनसे कीमत पर काफी प्रभाव पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप कम कीमत पर बिक्री, कीमत कटौती और कीमत न्यूनीकरण हुआ है ।

85. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

त. कारणात्क संबंध और अन्य कारक

86. वास्तविक क्षति की मौजूदगी और घरेलू उद्योग की कीमतों पर कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत ह्रासकारी प्रभावों की दृष्टि से पाटित आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों की जांच करने के बाद, भारतीय नियम और पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की भी जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों के अलावा

ऐसा कोई अन्य कारक है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो । इस संबंध में निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है :

त.1 अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमत

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, अन्य देशों से भी आयात हुए हैं, परंतु ये आयात संबद्ध देशों से हुए आयातों की तुलना में काफी अधिक कीमतों पर हुए हैं ।

रू./किग्रा.	2007-08	2008-09
आयात कीमत		
चीन	***	***
जापान	***	***
तीसरा देश	***	***
अंतर	83.38%	57.88%

त.2 मांग में संकुचन और/या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में कोई ऋणात्मक वृद्धि दर्ज नहीं की गई है । वस्तुतः मांग में भारी सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । इस प्रकार मांग में संकुचन घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं हो सकता है । इसके अलावा, विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । अतः खपत की प्रवृत्ति में हुए परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है ।

त.3 व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु के लिए ऐसा एक ही बाजार है जहां संबद्ध देशों के पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आयातित उत्पाद की बिक्री घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के समान वाणिज्यिक ग्रेडों और विनिर्देशनों की मांग को पूरा करने के लिए की जाती है और यह कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और इनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम उपयोग में किया जाता है ।

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसी कोई प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया प्रचलित नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो ।

त.4 प्रौद्योगिकी का विकास

91. याचिकाकर्ता के रिकॉर्डों की जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक संगत कारक नहीं है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग तथा चीन जन.गण. के निर्यातक उत्पादन की समान प्रक्रिया अपनाते हैं और जापान से कोई उत्तर नहीं मिला है ।

त.5 निर्यात निष्पादन

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता अपने उत्पादन के एक हिस्से का निर्यात भी करता है और वर्ष 2007-08 के दौरान निर्यातों में 4 मी.ट. से जांच अवधि के दौरान 87 मी.ट. तक की वृद्धि हुई है परंतु निर्यातित सामग्री की मात्रा जांच अवधि में घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन का काफी कम हिस्सा अर्थात् केवल 6.4% रही है । इस प्रकार प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई वास्तविक क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के कारण नहीं हो सकती है ।

त.6. घरेलू उद्योग की उत्पादकता

93. प्रति कर्मचारी उत्पादन की दृष्टि से घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार प्रदर्शित हुआ है ।
94. ऐसा कोई अन्य कारक, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना हो सकती हो, प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है ।

थ. कारणात्मकता संबंधी निष्कर्ष

95. पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर निर्धारित किया गया है:
96. चीन जन.गण. से पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है और जपान के मामले में इनमें मामूली गिरावट आई है । तथापि, दोनों संबद्ध देशों से कीमत कटौती सकारात्मक रही है और भारी कीमत न्यूनीकरण हुआ है ।
97. संबद्ध देशों से हुए आयातों का बाजार हिस्सा काफी उच्च स्तर पर रहा है । पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती और उनकी काफी मात्रा में मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग का निष्पादन ब्याज और कर पूर्व लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय की दृष्टि से बुरी तरह प्रभावित हुआ है ।
98. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों के कारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

द. क्षति मार्जिन की मात्रा

99. क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । संबद्ध देशों से निर्यातों की पहुंच कीमत और क्षति मार्जिन निम्नानुसार ज्ञात किए गए हैं:

घ.1. क्षति मार्जिन संबंधी गणनाएं

उत्पादक	निर्यातक	क्षति मार्जिन (अम.डॉ.)	क्षति मार्जिन (%)
चीन जन.गण.			
सिनोचैम इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन कैमिकल्स (ताईकांग) कं. लि.	सिनोचैम इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन कैमिकल्स (ताईकांग) कं. लि.	***	40-50
सिनोचैम इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन कैमिकल्स (ताईकांग) कं. लि.	दू प्वाइंट ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि.	***	45-55
सिनोचैम मॉडर्न इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन कैमिकल्स (जियान) कं.लि.	सिनोचैम मॉडर्न इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन कैमिकल्स (जियान) कं.लि.	***	30-40
कोई	कोई	***	45-55
जापान		***	
कोई	कोई	***	50-60

न. निष्कर्ष

100. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

- क. भारत को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

त. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

101. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में इस उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । उपभोक्ता अब भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं ।
102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

थ. सिफारिशें

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को उसकी सूचना दी गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमावली के अनुसार पाटन और क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की प्रारंभिक जांचशुरू करने के बाद तथा संबद्ध देशों के विरुद्ध अनंतिम रूप से सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से निर्धारित करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है।

104. अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित ढंग और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

105. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है :

शुल्क तालिका

क्र.सं.	टैरिफ मद का उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2.	3.	4.	5	6.	7.	8	9	10.
1	29033919	1,1,1,2-टेट्राफ्लोरोईथेन या आर-134ए	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	सिनोचैम इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन (ताईकांग) कं. लि.	सिनोचैम इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन (ताईकांग) कं. लि.	1.04	किग्रा.	अम.डॉ.
2	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	सिनोचैम इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन (ताईकांग) कं. लि.	दू प्वाइंट ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि.	1.19	किग्रा.	अम.डॉ.
3	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	सिनोचैम इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन कैमिकल्स (जियान) कं.लि.	सिनोचैम इन्वार्नमेंटल प्रोटेक्शन कैमिकल्स (जियान) कं.लि.	0.99	किग्रा.	अम.डॉ.
4	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कं.सं. 1 से 3 के उत्पादक तथा निर्यातक से इतर अन्य कोई संयोजन		1.41	किग्रा.	अम.डॉ.

5	- वही -	- वहीं -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	1.41	किग्रा.	अम.डॉ.
6	- वही -	- वहीं -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	1.41	किग्रा.	अम.डॉ.
7	- वही -	1,1,1,2-टेट्राफ्लोरोईथेन या आर-134ए	जापान	जापान	कोई	कोई	1.63	किग्रा.	अम.डॉ.
8	- वही -	- वहीं -	जापान	कोई	कोई	कोई	1.63	किग्रा.	अम.डॉ.
9	- वही -	- वहीं -	कोई	जापान	कोई	कोई	1.63	किग्रा.	अम.डॉ.

थ. आगे की प्रक्रिया

106. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- (घ) प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए एक मौखिक सुनवाई आयोजित करेंगे।
- (ङ) प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th February, 2010

Preliminary Findings

Sub : Anti-dumping investigation concerning imports of 1, 1, 1, 2-Tetrafluoroethane or R-134a of all types originating in or exported from China PR and Japan.

No. 14/24/2009-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, (hereinafter referred as Rules) thereof;

1. Whereas M/s SRF Ltd, Gurgaon (hereinafter referred to as the applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Act and Rules alleging dumping of 1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a of all types (herein after referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Japan (hereinafter referred to as "subject countries") and requested for initiation of Anti-Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

2. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted by the applicant issued a public notice dated 19th August, 2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping Investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country, in accordance with the sub Rule 5(5), of the Rules, to determine the existence, degree and affect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the Public Notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority:

- i. The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the anti-dumping investigations in accordance with the sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- ii. The Designated Authority sent copies of the initiation notifications dated 19th August, 2009 to the embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. The known interested

parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within prescribed time limit. Copies of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter were also sent to the Embassies of the subject countries along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the exporters/producers from the subject countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.

iii. Copy of the non-confidential version of the application filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra.

iv. Questionnaires were sent to the known exporters from subject countries in accordance with the rule 6(4) to elicit relevant information. Whereas no response has been received from Japan, responses to exporter's questionnaire have been received from the following exporters of the subject goods from China PR :

- a) Zhejiang Juhua Co. Ltd., Kecheng District, Quzhou City, Zhejiang Province, China PR – 324004
- b) Zhejiang Quhuaflour – Chemistry Co., Ltd., Juhua Group, Kecheng District, Quzhou City, Zhejiang Province
- c) Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co. Ltd., 18, South of Binjiang Road, Shihua Industrial Park, Taicang Port, Jiangsu Province, China PR - 215433
- d) Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co. Ltd., Jinghe Industrial Area, Xian Economic-Technological Development Zone, Xian, China PR.
- e) DuPont Trading (Shanghai) Co. Ltd., 10/F Building # 11, 399 Keyuan Road, Zhangjiang Hi-Tech Park, Pudong New District, Shanghai – 201203, China PR
- f) M/s Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co Ltd., 2nd Floor, No. 243, Juhua Centre Road, Quzhou China.
- v) Post initiation views/comments were also received from the China Association of Flourine & Silicon Industry.
- vi) Questionnaires were sent to the known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) and response to the importers questionnaire has been received from the following importers of the subject goods in India;
 - a) Navine Fluorine International Ltd., 35-C, Shivaji Marg, New Delhi - 110015
 - b) E.I. DuPont India Private Limited, DLF Cyber Greens, 7th Floor, - 'C' Tower

25A – DLF City, Phase III Gurgaon 122002, Haryana.

- vii) Post initiation views/comments were also received from the importers/users of the subject goods viz; M/s Refex Refrigerants Ltd , M/s Chenai Marine Trading Pvt Ltd, M/s Stallion Enterprises and M/s Honneywell International Pvt Ltd .
- viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- ix) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the injury period including the period of investigation.
- x) The Non-Injurious Price based on the cost of production on the basis of the accounting information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- xi) The Authority initiated the investigation with Non-Market Economy presumption in respect of People's Republic of China in terms of Para 8 of Annexure I to the Rules and provided an opportunity to the country concerned and the exporters from People's Republic of China to rebut the said presumption under the said Rule. It was also mentioned in the said notification that the Authority may however, notify an appropriate third country, in the due course, for the purpose of determination of normal value in China PR in terms of para 7 of Annexure I to the Rules. However, none of the interested parties, including the applicants, have placed any material fact before the Authority to select an appropriate market economy third country for the above purpose.
- xii) The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them have been examined. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, along with non-confidential summary thereof, has been treated confidential.
- xiii) *** in this finding represents information furnished by the domestic industry and other interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xiv) The exporters, producers, importers, consumers and other interested parties who have not supplied information in this investigation have been treated as non co-operating interested parties.
- xv) As per the practice adopted by the DGAD, the injury period covers POI and preceding three years. The period of investigation in the subject case is starting from 1st April 2008 to 31st March 2009 (12 months). However, in the subject case

the injury investigation period shall cover the period 2007-08 and the POI, as the applicant has started commercial production in the year 2007-08 only.

B. Comments of the interested parties on the initiation of investigation and examination by the Authority.

B.1. Views of Exporters

4. There is no response from Japan. The responding exporters from China PR have not offered any specific comments in their exporters questionnaire responses on the initiation of investigation. However, China Association of Flourine & Silicon Industry has expressed the following views:

1. According to the petitioner, the PUC does not have any dedicated customs classification; hence data supplied by the petitioner becomes irrelevant.
2. Chinese enterprises follow Gas Phase Method for the production of PUC during POI whereas DI adopts Liquid Phase Method.
3. Purity is one of the major parameters to classify R134 A; hence any difference on the basis of purity can't be ignored.
4. It has further been submitted that there are apparent and critical difference between the PUC imported from China and produced by SRF, including purity, production process and manufacturing cost, which makes it is incomparable.
5. Even if one would take into account the statistics provided by the petitioner, then one would reach the conclusion that it is because of increase in demand in the Indian market that resulted in increase in exports from China in 2006-07.
6. The statistics data of exports from China to Indian Market, provided by the respondent suggests that exports from China has reduced, and export prices have shown an increasing trend.
7. Sales quantity of the DI shows an increase of 56.33% in 2008-09.
8. SRF started with commercial production only in the year 2007-08, hence it had to face low level of capacity utilization at the initial stage.
9. Due to difference in product process technology, calculation of normal value becomes incorrect.
10. During 2007-08 and 2008-09, the petitioner had exported the PUC. Like the domestic price of the petitioner, the exports price of the petitioner is also in the red. It apparently indicates that low price is the petitioner's consecutive market strategy.
11. The product process method adopted by DI i.e; the liquid phase method is more expensive and generates by product Potassium Chloride and TFEA. Cost distribution for these by-products have been ignored.
12. Negative profitability, return of investment and cash flow is not due to imports but because of the outdated production process and wrong investment decision taken by the petitioner.
13. No change in employment wages shows that labour is employed in excess and hence can be one of the reasons for high production costs.
14. Petitioner, itself confesses that the productivity has increased.
15. Inventories have significantly decreased.
16. Annual report of the petitioner shows that ability to raise capital has remained unaffected as the turnover proportion of PUC constitutes a very small in the whole company.
17. The price behavior of the domestic industry is not guided by the landed value of the imports. Both show an inverse relationship.

18. There is bound to be a change in consumption factor as the domestically produced R 134 A is a substitute of CFC gas, which will be phased out in 2010.

19. It is not clear as to what percentage of profit has been claimed by domestic industry as reasonable to arrive at the NIP.

20. We undertake it as 22% as adopted by the authority as return on capital employed. It is unreasonable as it gives undue protection to DI and violates the lesser duty rule (Debt portion of capital employed which attracts about 10 to 125 interest rate is provided 22% which in turn results in providing more than 22% return on net worth portion of capital employed.)

21. With regard to the non-market economy treatment China Association of Flourine & Silicon Industry, expressed the following views:

- Every company runs under some or the other kind of state interference, but it is for the authority to see that such interference should be in decision-making process.
- For making analysis of market value of prices of major inputs it becomes an important consideration if the prices at which the exporter procures raw material are market driven and unaffected from state interference.
- It is not a law mandate to maintain books of accounts in accordance with the International Accounting Standards.
- Law nowhere requires response from the group as a whole.
- In case of acquisition through transformation, MET is not granted where it is an acquisition of a state owned company.

22. With regard to the approach on construction of normal value, in case of non-market economy China Association of Flourine & Silicon Industry, expressed the following views:

- Consumption factor of the domestic industry should not have been taken into consideration due to difference in the production process.
- DI is operating only at 44.77% and conversion cost based on such unutilized capacity gives abnormally high and distorting conversion cost.
- Depreciation calculated on the aforementioned basis, also becomes abnormally high.
- No claim has been made of credit for by products and joint products.
- Very high interest cost has been taken into consideration. Interest rates in China are almost half as compared to that in India.

B.2 Importers and other Interested Parties

5. The following views were expressed by the importers/users such as M/s Reflex Refrigerants Ltd, M/s Chennai Marine Trading Pvt Ltd, M/s Stallion Enterprises and M/s Honeywell International Pvt Ltd on the initiation of the investigation:

- i) M/s SRF has an installed capacity of 2500 MT R-134a per annum at Alwar, Rajasthan.
- ii) HFC134a is a non ozone depleting gas and is an immediate replacement for R12 refrigerant gas, an ozone depleting gas, which is phased out in India.

- iii) The estimated annual demand in India is approximately 8000 MT per annum(6000 MT in the year 2007 as per a survey by an international agency), out of which production of 2500 MT is done in India by M/s SRFLtd. Even SRF imports some quantity to meet their deficit demand of this product.
- iv) As per the data available the import of R134a is approximately 5500 MT from various countries such as China, Japan, USA.
- v) The demand for this product is expected to go up by 15-20% annually due to phasing out of CFCs and reduction of the use of HCFC.
- vi) M/s SRF will not be able to cater to the growing demand for the subject product.
- vii) The Chinese and Japanese use advance technologies to produce these gases cost effectively and they are priced at par with the global prices.
- viii) SRF has received heavy subsidy from various Govt Departments to phase out their CFC12C production and begin the 134a production. In certain cases the import duty for equipment has also waived by there Govt.
- ix) If ADD is imposed there will be cartelization by SRF to control the Indian market resulting in price hike and eventually the consumer and industry suffering the higher cost.
- x) Genetron 134a is the registered tradename of Honneywell and have been importing Genetron 134a in to India from China at the highest recorded price.

B.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

6. The views expressed by the China Association of Flourine & Silicon Industry and the importers/users are examined by the Authority as follows:

- i) As regards the view of China Association of Flourine & Silicon Industry on dedicated classification of PUC the Authority notes that the import data has been analyzed on the basis of description of the PUC under various classifications due to non availability of dedicated classification.
- ii) As regards the view of China Association of Flourine & Silicon Industry that Chinese enterprises follow Gas Phase Method for the production of PUC during POI whereas DI adopts Liquid Phase Method, the Authority notes that the Domestic Industry has clarified that they follow the Gas Phase Method for the production of PUC. The Authority further notes that the nature of the PUC does not change with the level of purity and the subject goods produced by the Domestic Industry and the exporters, by following the same gas phased method, may not differ on account of purity.
- iii) The Authority notes that differences due to change in production process, purity and manufacturing cost does not lead to difference in the PUC. Moreover, the domestic industry and the producers from China PR adapt the gas phased production method.
- iv) The views of the China Association of Flourine & Silicon Industry regarding various economic parameters, market economy treatment issues and other issues are duly examined in the relevant portions of this finding.
- v) The importers and other interested parties have not raised any specific view on any aspect of the initiation of investigation. However, as regards their view that Chinese and Japanese use advance technologies to produce these goods cost effectively , the Authority notes that there is no co-operation from producers/exporters from Japan and as far as China is concerned, both the Chinese and the Domestic Industry adopt the same Gas Phase Method for the production of PUC.

C. Product under Consideration and Like Article

7. The product under consideration in the present investigation is 1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a of all types. R-134a, is also called as Tetrafluoroethane, Genetron 134a, Suva 134a or HFC-134a, HFA-134a, and Norflurane. It is a haloalkane refrigerant with thermodynamic properties similar to R-12 (dichlorodifluoromethane), but without its ozone depletion potential. It has the chemical formula CH_2FCF_3 , and a boiling point of -26.3°C (-15.34°F). It is an inert gas used primarily as a high temperature refrigerant for domestic refrigeration and automobile air-conditioners. Other uses of the subject goods include plastic foam blowing, as a cleaning solvent and as a propellant for the delivery of pharmaceuticals (e.g. bronchodilators), gas dusters, and in air driers, for removing the moisture from compressed air.
8. The subject goods are being imported under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under subheading 2903 under "Halogenated Derivatives of Hydrocarbons", under subheading 29033919 as "Other Fluorinated Derivatives", under the Indian Trade Classification (based on Harmonized Commodity Description and Coding System). The petitioner has, however claimed that the product under consideration does not have any dedicated customs classification code and are being imported under various other Customs sub-headings. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.
9. The applicant has claimed that there is no known difference between the products manufactured by them and the subject goods imported from the subject countries, which can have any impact on price, usage, quality etc. The applicant also claims that the technology and primary production process employed by them and the foreign producers are comparable; however, every producer fine-tunes its production process based on available facilities and necessities.
10. No argument has been received from any interested party on the scope of product under consideration or like article except China Association of Fluorine & Silicon Industry. The Authority notes that the Domestic Industry follows the Gas Phase Method for the production of PUC as the Chinese enterprises and the nature of the PUC does not change with the level of purity. Examination of the product and import data submitted by the applicant indicates that there is no difference between subject goods produced by the Domestic Industry and imported from China. In view of the similarity in manufacturing process and substitutability, the Authority provisionally holds that the two are required to be treated as alike and one product for the purpose of defining the 'product under consideration' in this case.

D. Domestic Industry and Standing

11. The application has been filed by M/s. SRF Ltd., Gurgaon. The producer has claimed to be the sole producer of the product in India and no interested party has disputed this

fact in their post initiation submissions. Therefore, the Authority is of the opinion that the applicant commands a major proportion of the production of the subject goods in India and holds that for the purpose of this investigation the applicant M/s SRF Ltd. commands the standing in terms of Rule 5(3) and constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b).

E. De Minimis Limits

12. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources, as well as the data furnished by the cooperating exporters from China PR, the import of the subject goods from the subject countries are above the de minimis level.

F. Determination of Dumping Margin

F.1. Examination of Market Economy Claims

13. The Authority, notes that in the past China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure of Anti-dumping Rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.
14. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
 - a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and,
 - d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
15. The Authority notes that following producers and exporters of the subject goods from China PR have submitted their Exporters Questionnaire responses and Market Economy Questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The Exporters Questionnaire responses and the Market Economy Questionnaire responses of the

following responding producers and exporter have been examined for determination of the normal value:

- a) Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co. Ltd.
- b) Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd.
- c) Zhejiang Juhua Co. Ltd.
- d) Zhejiang Quhuaflour Chemistry Co., Ltd.
- e) Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co Ltd
- f) Du-Pont Trading (Shanghai) Co. Ltd.

Submissions by M/s Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co. Ltd. (Producer/Exporter).

16. It has been submitted by the Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co. Ltd. that they are a Chinese foreign equity joint venture company established on Oct 14, 2005. It has also been submitted that there were three shareholders in Taicang before Dec., 2008 namely Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd., Sinochem Europe Capital Corporation Ltd., and Sinochem Ningbo (Group) Co. Ltd. which were holding share percentage of **%, **% and **% in the company. Further, in Dec., 2008 shareholder Sinochem Ningbo (Group) Co., Ltd. transferred all its shares to China New Technology Development Trade Co., Ltd.
17. As regards procurement of raw materials, M/S Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co. Ltd. has submitted that they have purchased one of the major raw materials viz. TCE from related company. Other raw materials, including TCE and AHF, used for production has been purchased from independent suppliers.

Submission by M/S Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd. (Producer/Exporter)

18. It has been submitted by the Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd. that **% shares of their company are held by the state owned companies namely M/S China New Technology Development Trade Co., Ltd..
19. As regards procurement of raw materials, M/S Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co. Ltd. has submitted that they have purchased one of the major raw materials viz. TCE from related company. Other raw materials, including TCE and AHF, used for production has been purchased from independent suppliers.

Submission by M/S Zhejiang Juhua Co. Ltd. (Producer)

20. In their response to the MET questionnaire, M/S Zhejiang Juhua Co., Ltd. has submitted that they are a subsidiary of Zhejiang Juhua Group, which is solely owned by the state owned Assets Supervision and Administration Commission of Zhejiang province. The company has also submitted that they have produced TCE captive and procured AHF at market price. It has been further mentioned in the list of suppliers of raw materials that major raw materials are procured from affiliated companies.

Submission by M/S Zhejiang Quhuaflour Chemistry Co., Ltd (Exporter)

21. In their response to the MET questionnaire, M/S Zhejiang Quhuaflour Chemistry Co., Ltd. has submitted that they are a subsidiary of Zhejiang Juhua Co. Ltd.

Submission by M/S Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co. Ltd. (Exporter)

22. In the MET questionnaire, they have submitted that their company is a subsidiary of M/S Zhejiang Juhua Group import and export Co. Ltd. and export agent of Zhejinag Quhufluor Chemistry Co. Ltd.. Further, M/S Zhejiang Juhua Group import and export Co. Ltd., Zhejinag Quhufluor Chemistry Co. Ltd. and M/S Zhejiang Juhua Co. Ltd. are related companies and belong to Zhejinag Juhua Group.

Submission by M/S Du-Pont Trading (Shanghai) Co. Ltd. (Exporter)

23. It has been submitted by M/S Du-Pont Trading Shanghai Co. Ltd., China that they are a 100% subsidiary of M/s Du-Pont China Holding Co. Ltd. It has further been submitted that M/S Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co. Ltd., a corporation organized under the laws of China is the only supplier (un-related) of R-134a and has multi year contract with them starting from Sep., 2008.

Examination by the Authority

24. The Authority has taken cognizance that the exporters from China PR have submitted responses along with relevant facts with which they want to rebut the presumptions as mentioned in Para 8 of Annexure 1 of the Rules and Non Market Economy Questionnaire sent to them regarding grant of market economy status to their companies. As regards procurement of raw materials and other relevant inputs, which mainly includes AHF and TCE, the producer/exporters have submitted that they have procured partly from affiliated/related companies and partly from private parties at Chinese market price. The Authority notes that the issue of raw material prices paid by the companies is vital to an examination of both market economy treatment as also correct assessment of its cost of production. The exporters have not so far established with verifiable evidence that "prices of major inputs substantially reflect market values". In a situation where the raw material prices are significantly lower than the prevailing market rates in the international market, not only a vital condition for market economy treatment is not satisfied but also costs may be underestimated. Further, the Authority notes that the producers/exporters from China PR are either directly or through their subsidiaries and suppliers are state controlled.
25. The Authority notes that even if one of the critical parameters of market economy treatment is not satisfied, it would not be feasible to grant market economy status to the responding companies.
26. In view of the above, for the purpose of preliminary findings, the Authority has not granted market economy status to the responding producers/exporters from China PR.

G. Determination of Normal Value

27. Thus, the Authority has constructed the normal value for China PR by treating them as non market economy and for Japan, since no response has been received from them, by taking into account international raw material prices and duly adjusted conversion

cost of the Domestic Industry, selling, general & administrative expenses and reasonable profit.

G.1 Normal Value for Japan

28. No exporter from Japan has cooperated and responded to the investigation initiation notification issued by the Authority and submitted any information. In view of that the Authority has made efforts to ascertain information from public domain regarding domestic selling price of the subject goods in Japan. But, in absence of relevant credible data in the public domain, the Authority has relied upon the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules and provisionally constructed the normal value in respect of Japan on the basis of facts available. For constructing normal value, the international prices of raw materials, and in case of non availability of international prices, domestic price of raw materials has been relied upon. The raw material consumption norms, duly adjusted conversion cost and misc. Income, have been considered as per domestic industry. Further, after adding a reasonable profit margin of 5%, constructed normal value has been determined as US\$ *** Per Kg.

G.2 Normal Value for China PR

29. As recorded above there are significant issues of market economy determination in respect of the responding exporters from China PR that requires further examination and verification. Therefore, pending further examination and verification of the claims made by the responding exporters and producers from China PR, in respect of their market economy claims, for the purpose of the preliminary finding, the authority has provisionally constructed the normal value in China PR on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.

30. In this connection Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provide that:

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

31. The Authority indicated, in the Initiation Notification, that the Authority may notify an appropriate third country, in the due course, for the purpose of determination of normal value in China PR in terms of the above provision. However, none of the interested parties, including the applicants, have placed any material fact before the Authority to select an appropriate market economy third country for the above purpose. The domestic industry has submitted that they have made efforts to collect information on price and cost data of the subject goods in market economy third

countries but no publicly available information could be collected in this regard. It has also been argued that for determination of normal value based on third country cost and prices, the Authority would require complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country, which the applicant is unable to obtain. The responding Chinese companies have made no claim with regard to an appropriate market economy third country. Therefore, the domestic industry has submitted that India should be treated as an appropriate surrogate country for China in this matter and the normal value should be determined accordingly.

32. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination the Authority proceeds to provisionally determine the normal value in China PR on other reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all exporters from China PR has been provisionally constructed based on facts available. The Normal Value has been constructed taking into account consumption norms of producer/exporter and international prices of major raw material and domestic price of raw materials in case of non-availability of international price. Further, duly adjusted conversion cost and SGA expenses of the domestic industry have been adopted for determination of the normal value. After adding a reasonable profit margin of 5% constructed normal value has been determined as US\$ *** per Kg. in respect of the China PR.

H. Determination of Export Price

H.1 Export Price for co-operating exporters from China PR

M/S Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co., Ltd.

33. The exporter has provided transaction wise details of exports to India during the period of investigation. For the purpose of preliminary finding all export transactions have been taken into consideration for determination of export price. The expenses claimed on account of packing, inland freight & port charges, overseas freight, overseas insurance, clearance and handling charges and other misc. charges have been allowed, subject to verification. By this methodology the ex factory weighted average export price has been determined as US\$ *** Kg.

M/S Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd.

34. The Authority notes that M/S Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co., Ltd and M/S Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd are related and major shareholder in M/S Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd is also a shareholder in M/S Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co., Ltd. Further, M/S Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang)'s parent company is admittedly M/S Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd, which produces and sales the subject merchandise. M/S Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co., Ltd has much larger production capacity than that of M/S Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co., Ltd. The Authority also notes that the Gross price charged by both these companies is substantially different despite having almost similar range of cost of production. It is noted from the information submitted that the difference is primarily on account of Bulk Discount. The exporter has provided

transaction wise details of exports to India during the period of investigation. For the purpose of preliminary finding all export transactions have been taken into consideration for determination of export price. The expenses claimed on account of packing, inland freight & port charges, overseas freight, overseas insurance have been allowed, subject to verification. In view of the above, to arrive at the ex-factory price, the Authority has also taken an adjustment of *** RMB per kg on account of discount due to similar range of cost of production. By this methodology the ex factory export price for M/S Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co. Ltd. has been determined as US\$ ***/Kg.

M/S Dupont Trading (Shanghai) Co., Ltd.

35. The exporter has provided transaction wise details of exports to India during the period of investigation. For the purpose of preliminary finding all export transactions have been taken into consideration for determination of export price. While arriving at net export price the exporter has made adjustments towards packing charges, inland freight, sea freight and insurance premium. Further, adjustments of domestically procured goods and profit margin of Du-Pont Trading has also been made to arrive at the ex factory weighted average export price. By adopting this methodology the ex factory export price in respect of M/S Du-pont (Shanghai) Co. Ltd. has been determined as US\$ ***/Kg.

M/S Zhejiang Quhuafluor – Chemistry Co., Ltd. & Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co., Ltd.

36. M/S Zhejiang Quhuafluor – Chemistry Co., Ltd. has provided the transaction wise details of exports to India during the period of investigation and submitted that after procurement of subject goods from M/S Zhejiang Juhua Co. Ltd., (producer of the subject goods) appointed M/S Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co., Ltd. as their export agency and shipped and declared at the customs after they received L/C, negotiated payment and received payment. However, while going through their response it is observed by the Authority that the copies of sample invoices and other export documents are held in the name of M/S Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co., Ltd., thereby making them the actual exporter to India. Further, M/S Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co., Ltd., who also have submitted the Exporters and MET questionnaire responses, has submitted that they are not the actual exporter of the product under investigation and just an export agent. However, Authority notes that all export documents are in the name of M/S Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co., Ltd.. As the linkage between production and export of the subject goods to India has not been clarified in complete satisfaction to the Authority, for purpose of preliminary findings no separate export price has been determined in respect of either Zhejiang Quhuafluor Chemistry Co. Ltd. or Zhejiang Juhua Gonglian Foreign Trade Co., Ltd.

H.2. Export price for Non-cooperating Exporters from China

37. Since, no response has been received from any other producer/exporter of the subject goods from China PR; the Authority has decided to determine their Export Price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the Applicant based on IBIS source and the expenses on account of packing, inland freight & port charges, overseas freight, overseas insurance, clearance and handling charges and other misc. charges have been adjusted on the basis of data furnished by co-operative exporters to arrive at the ex-factory price in respect of non- cooperative exporters from China PR. By adopting the above method

the ex-factory export price for non-cooperative exporters from China PR has been calculated as US\$ *** per /Kg.

H.3. Export price for Exporters from Japan

- 38 No exporter from Japan has responded to the initiation of notification. Therefore, the data reported by the IBIS, Mumbai for exports from Japan has been relied upon to calculate the ex-factory export price. As the transactions are on CIF basis, therefore, to determine ex factory export price, adjustment on account of ocean freight, marine insurance, handling charges, port expenses have been adjusted to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the ex-factory export price for exporters from Japan has been calculated as US\$ *** per /Kg.

I. Dumping Margin

39. For the purpose of determination of dumping margin the ex-works normal value and export prices so determined provisionally have been compared at the same level of trade and dumping margin has been provisionally determined for the exporters from the subject countries.. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins for exporters are determined as per table below: -

Exporter/Producer From	Normal Value (USD)	Export Price (USD)	Dumping Margin (USD)	Dumping Margin (%)
Japan	***	***	***	55 – 65
China PR	***	***	***	
Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang)	***	***	***	30 – 40
Sinochem Environmental Protection Chemicals (Xi'an)	***	***	***	30 – 40
Du-Pont	***	***	***	35 – 45
Others	***	***	***	45 - 55

40. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de-minimis level.

J. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

J.1 Views of the Exporters, Importers and other Interested parties

41. No specific views have been offered by the responding exporters, importers and other interested parties, except the China Association of Flourine & Silicon Industry whose views are reflected at Para 4 of this finding, denying the impact of the imports of the subject goods from the subject countries on the Domestic Industry.

J.2 Views of the domestic industry

42. The followings are the views of domestic industry: -

- a) Export price from the subject countries has remained at dumped level during POI. Further, these prices have been declined more than input prices.
- b) Profit/Loss (PBT, PBIT and PBDIT) of the domestic industry have all shown significant decline even become negative in POI.
- c) Import from each of the subject countries has been undercutting the prices of the domestic industry to a significant degree.
- d) Imports from the subject countries have forced the domestic industry to reduce the price steeply during investigation period. Thus, the imports were depressing the prices in this period.
- e) Market share of the imports from subject countries remained at a very significant level. As a direct consequence, the market share could not be adequately improved in the fact and circumstances of the case..
- f) Employment levels with the domestic industry have not undergone any significant change.
- g) Salary & wages: - Salary and wages per unit of production, shows a decrease.
- h) Demand and market share: -Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry could not be improved because of the dumped imports from the subject countries.
- i) Growth: - Growth of the domestic industry became negative in respect of a Profit, return on investment and cash profit.

J.3. Examination by the Authority

43. The Authority notes that no specific views in respect of injury to the domestic industry have been offered by the responding exporters, importers and other interested parties, except the China Association of Flourine & Silicon Industry whose views are reflected at Para 4 of this finding, denying the impact of the imports of the subject goods from the subject countries on the Domestic Industry. However the views offered by the named association from China have not been substantiated by any evidence whatsoever.

44. Having examined the degree and extent of dumping from China and Japan, the Authority has examined the injury caused to the domestic industry, if any, and the causal link between the dumped imports and injury so suffered by the domestic industry. The Authority holds that the applicant Company, i.e., M/s SRF Ltd constitutes a major proportion of Indian production of the subject goods during the period of investigation under Rule 2(b) of Anti-dumping Rules. Therefore, for the purpose of injury determination the applicant company has been held to constitute the domestic industry within the meaning of the Rules.

45. As per the Supreme Court Judgment in Reliance Industries Vs Designated Authority matter, all the known producers of the subject goods are required to be requested to file their cost and injury information for the purpose of injury determination and determination of non-injurious price for the domestic industry as a whole. However in the subject case, M/s SRF Ltd being the sole producer of the subject goods in the country, for the purpose of preliminary determination, the cost and injury information of the applicant domestic producer, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b), has been examined.

46. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

47. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

48. The following are the essential facts before the Authority in respect of alleged injury to the domestic industry caused by dumped imports from China and Japan, which will form the basis for the preliminary determination by the Authority. As per practice adopted by the DGAD, the injury period consist of the POI and preceding three years. The period of investigation in the subject case is starting from 1st April 2008 to 31st March 2009 (12 months). However, the injury investigation period will cover the period 2007-08 and the POI, as the applicant has started commercial production in the year 2007-08 only. Thus, all economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined for the injury period adopted. However, as information pertaining to Imports (Volume and Value) is available for previous three years as well, the injury analysis has been carried out by adopting the period of four years that is POI and previous three years.

K Cumulative assessment of injury

49. As per annexure-II (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping Investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that

- a. The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, and,

- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.
50. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.
51. With a view to assess the conditions of competition between imported products and the like domestic product, the Authority notes that -
- a. The subject goods supplied by Foreign Producers and by the domestic industry are inter-se like articles.
 - b. The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced R-134a.
 - c. The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market, as these are like products.
52. Therefore, the Authority notes that it is appropriate to, cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article, in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.
53. The Authority has taken note of various arguments put forth by the Domestic Industry (There was no response from other interested parties).
54. Annexure II of the AD Rules requires that determination of injury shall involve objective examination of both:
- a) The volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and
 - b) Consequent impact of these imports on domestic producers of such products.
55. The Authority while examining the volume of dumped imports is required to examine whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.
56. For the purpose of injury analysis the Authority has examined cumulative effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of industry to evaluate the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. Since significant dumping margins have been established for the exports from the subject countries, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal link examination.

L. Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

57. With regard to the volume of the dumped imports, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, in absolute terms or relative to production and consumption in India. As far as import volume is concerned the DGCI&S import data as well as import data reported in secondary sources i.e. IBIS have been examined. The Authority notes that the DGCI&S data does not capture the imports of the subject goods being imported in to India in different nomenclature and under different Customs classifications and therefore relied upon the data from the IBIS source. Therefore, the transaction level data on the basis of IBIS source has been relied upon and the volume and value of imports have been analyzed as follows:

L.1 Import volumes and share of subject countries

58. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.
59. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject countries based on the transaction-wise import data from the IBIS source as follows:

Qty. in Mt				
Period	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Country				
China PR	551	687	1123	1313
Trend	100	125	204	238
Japan	1057	564	992	957
Trend	100	53	94	91
Others	812	1059	1318	1281
Trend	100	130	162	158
Total	2420	2310	3433	3551
Trend	100	95	142	147
Share of subject countries (%)	66	54	62	64
Trend	100	82	94	97

60. The above data shows that volume of imports from China PR in absolute terms has consistently increased from 551 Mt during 2005-06 to 1313 Mt during 2008-09 (POI). In case of Japan the import volume decreased substantially from 1057 Mt during 2005-06 to 564 Mt during 2006-07 and increased substantially thereafter to 992 Mt during 2007-08 and marginally decreased to 557 Mt during 2008-09. Share of subject countries in total imports has remained almost at the same level during POI in comparison to 2005-06 as well as 2007-08.

L.2. Demand, Output and Market shares**L.2.1. Growth in Demand**

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Assessment of Demand					
➤ Imports from China	Mt	551	687	1123	1313
➤ Imports from Japan	Mt	1057	564	992	957
➤ Subject countries	Mt	1608	1251	2115	2270
➤ Imports from Other Countries	Mt	812	1059	1318	1281
Sales of Domestic Industry	Mt	-	-	909	1421
Assessed Demand	Mt	2420	2310	4342	4972

61. Though the commercial production of the domestic industry has been started during the year 2007-08, the demand has been analyzed for the year 2005-06 and 2006-07 also basing on the imports. The Authority notes that demand of the subject goods in the country has increased by more than 100% during POI in comparison to the year 2005-06 and by 15% during POI in comparison to immediate preceding year. It is further noted that demand in absolute terms has increased by 630 Mt during POI in comparison to the immediate preceding year and share of domestic industry has increased by 512 Mt during the same period.

L.2.2 Market share in Demand

Market Share in Demand	Unit	2007-08	2008-09
Imports from China	%	25.86	26.41
Imports from Japan	%	22.85	19.25
Import from subject countries	%	48.71	45.66
Imports from Other Countries	%	30.35	25.76
Domestic Industry	%	20.94	28.58
Other Producers	%	0	0

62. It is observed by the authority that the imports from China has increased marginally and imports from Japan has decreased marginally during POI viz-a-viz. preceding year. However, cumulatively the import share of subject countries and other countries have gone down during this period. On the contrary, share of the domestic industry has gone up during the POI vis-à-vis the preceding year. However, the Authority notes that the Domestic Industry has commenced commercial production only in the year 2007-08 and therefore some decline in the imports is obvious as a direct result of commencement of new production facility in the country. However, the applicant had anticipated/ projected (as per their project report) significantly

higher sales/ market share in the increasing demand as opposed to much lower levels achieved during the POI.

L.3. Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry

	Unit	2007-08	2008-09
Capacity	MT	3,000	3,000
Production	MT	1,061	1,343
Capacity Utilization	%	35.37%	44.77%
Domestic Sales	MT	909	1,421
Demand	MT	4,342	4,972

63. The Authority notes that production, capacity utilization and sales of the domestic industry have increased both in absolute and relative term. However, the domestic industry operated at much lower level of capacity utilization as planned/ projected despite high demand in domestic market. The dumping has thus prevented the domestic industry to adequately utilize its capacity.

M. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

64. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.
65. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

M.1. Evaluation of price over period under consideration

	Unit	2007-08	2008-09
Cost of sales	Rs./kg	***	***
Trend	Indexed	100	94
Selling Price (NSR)	Rs./Kg	***	***
Trend	Indexed	100	96

66. The Authority notes that cost of sales of the domestic industry has gone down by *** during POI in comparison to previous year. Similarly, the net selling price of the domestic industry has also decreased by *** during the corresponding period.

M.2. Price undercutting and underselling effects

	Unit	2007-08	2008-09
Net sales realization	Rs./Kg	***	***
Landed price			
Japan	Rs./Kg	***	***
China PR	Rs./Kg	***	***
Total subject countries	Rs./Kg	***	***
Price undercutting			
Japan	Rs./Kg	-	***
China PR	Rs./Kg	-	***
Total subject countries	Rs./Kg	-	***
Price undercutting (%)			
Japan	%	-	10-20
China PR	%	-	1 - 10
Total subject countries	%	-	5 - 15
Non Injurious Price	Rs./Kg	-	***
Price Underselling			
Japan	Rs./Kg	-	***
China PR	Rs./Kg	-	***
Total subject countries	Rs./Kg	-	***
Price Underselling (%)			
Japan	%	-	50 - 60
China PR	%	-	40 - 50
Total subject countries	%	-	45 - 55

67. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been deducted. Price undercutting has been determined by comparing the landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the net sales realization of the domestic industry for the same period. Price undercutting has been determined individually for China PR and Japan and for subject countries as a whole. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge and applicable basic customs duty to the value reported in the IBIS data of import prices from the subject countries. The price undercutting from China PR and Japan has been determined as *** % and *** % respectively and cumulative price undercutting from subject countries has been determined as *** % during POI.

68. For the purpose of price underselling the landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The price underselling from China PR and Japan has been determined as ***% and ***% respectively and cumulative price underselling from subject countries has been determined as ***% during POI.

69. Volume and Import price movement of the subject countries has been analyzed for the years 2005-06 onwards in the following table:

Volume of Imports	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
China	Mt	551	687	1123	1313
Japan	Mt	1056	564	991	957
Average import price					
China	Rs./Kg	***	***	***	***
Japan	Rs./Kg	***	***	***	***
Domestic net selling price	Rs./Kg	---	---	***	***

70. The Authority notes that export price from China PR was to the tune of Rs. ***per Kg during the year 2005-06 and reduced to Rs. ***per Kg during 2006-07 and further reduced to Rs. ***during the year 2007-08. Similarly, export prices from Japan was to the tune of Rs. *** per Kg during the year 2005-06 and after marginal increase to Rs. ***per kg during the year 2006-07, steeply decreased to Rs. ***during the year 2007-08 and again marginally increased to Rs. *** per Kg during POI. It is evident that both the subject countries steeply reduced the prices during the year 2007-08 in which the domestic industry started the commercial production. Despite such discouraging market behavior of the subject countries, as the domestic industry could realize prices higher than the import prices, both the subject countries increased their prices during the year POI, still causing injury to the domestic industry.

M.3 Price suppression and depression effects of the dumped imports:

71. Price suppression and depression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries. The price depression exists when the industry's prices are lower than the level of the previous period. Price suppression occurs when dumping prevents price increase that would otherwise take place due to increase in cost.

Particular	Unit	2007-08	POI
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***
Trend	Index	100	94
Selling Price	Rs./Kg.	***	***
Trend	Index	100	96
Landed Price	Rs./Kg.		
Japan	Rs./Kg.	***	***
China PR	Rs./Kg.	***	***
Subject Countries	Rs./Kg.	***	***
Trend	Index	100	117

72. From the above table it is evident that price depression is there as domestic industry's selling price during POI is lower than the price during the preceding year. The Authority notes that cost of sales is much greater than selling price of domestic industry. Despite the second year of its operations, the prices of domestic industry remained significantly depressed at the level significantly below its cost of production due to dumped imports. Although the Cost of sales of the domestic industry has gone down during POI in comparison to preceding year, but the same continuous to be much higher than the selling price of the domestic industry and due to cheaper import domestic industry could not realize even up to the level of cost of sales. From the above table the Authority notes that the domestic industry on the one hand is not able to realize at least its cost of sales and on the other hand is not able to compete with the exporters of the subject countries due to dumped imports.

N. Examination of other Injury Parameters

73. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

N.1. Profits and actual and potential price effects on the cash flow

	Unit	2007-08	2008-09
Cost of sales	Rs./Kg	***	***
Trend	Indexed	100	94
Selling Price (NSR)	Rs./Kg	***	***
Trend	Indexed	100	96
Profit/Loss	Rs./Kg	***	***
Trend	Indexed	-100	-91
Profit/Loss before Tax	Rs.Lacs	***	***
Trend	Indexed	-100	-142
PBIT	Rs.Lacs	***	***
Trend	Indexed	-100	-150
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***
Trend	Indexed	-100	-183

74. The data indicate that cost of sales of the domestic industry decreased by ***% during POI as compared previous year against which the selling price decreased by ***% during POI. Though, the loss per unit has come down during POI in comparison to previous year but domestic Industry continuous to incur huge losses in the POI.

N.2. Return on investment and ability to raise capital

	Unit	2007-08	2008-09
PBIT	Rs.Lacs	***	***
Trend	Indexed	-100	-150
Net Fixed Assets	Rs.Lacs	***	***
Trend	Indexed	100	96
Working Capital	Rs.Lacs	***	***
Trend	Indexed	100	62
Capital Employed	Rs.Lacs	***	***
Trend	Indexed	100	92
Return on Capital Employed (NFA basis)	%	***	***
Trend	Indexed	-100	-162

75. The Authority notes that the return on the capital employed for domestic sales of the domestic industry has declined significantly during the POI as compared to the preceding year and during the POI as well as the preceding year the domestic industry had a negative return from the subject goods.

N.3 Productivity

	Unit	2007-08	2008-09
Production	Mt	1,061	1,343
Trend	Index	100	127
No. of Employees	Nos.	24	27
Productivity per employee	MT/No.	44.20	49.75
Trend	Indexed	100	113

76. The data on production per employee shows that productivity per employee has increased by 13% in POI as compared previous year.

N.4 Employment and wages

	Unit	2007-08	2008-09
Employment (Manpower strength)	Nos.	24	27
Trend	Indexed	100	113
Wages	Rs.Lacs	***	***
Trend	Indexed	100	111

77. The employment level and wages do not show significant change. This may be attributable to the fact that the domestic industry has commenced its production of the subject goods during 2007-08 only. Despite incurring huge losses, the domestic industry could increase the wages by ***% during POI.

N.5 Inventories

Inventories	Unit	2007-08	2008-09
Average	Mt	255	164
Trend	Indexed	100	64

78. The Authority notes that the average inventory of domestic industry has reduced from 255 Mt during the year 2007-08 to 164 Mt during POI. The average inventory in indexed form has reduced from 100 during the year 2007-08 to 64 during the POI.

N.6. Growth

79. The Authority notes that the domestic industry has shown positive growth in terms of increase in production and domestic sales, increase in capacity utilization, increase in productivity, reduction in loss per unit and decrease in closing inventory. However, despite such positive growth indicators, the domestic industry continuous to incur huge losses due to low selling price.

N.7. Ability to raise fresh Investment

80. The authority notes that the domestic industry had not changed the capacity of subject goods and there has been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation as the petitioner has recently commenced commercial production.

N.8 Magnitude of Dumping

81. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries, for the POI, are significant.

N.9. Factors affecting prices

82. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred to a significant degree. In order to assess the effect of imports on the domestic market, the Designated Authority analyzed import prices over the injury period. It was found that the landed value per KG in POI was lower than both the net selling price and non-injurious price of R-134a in respect of both the subject countries. Change in cost structure if any, due to competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors that might be affecting the prices in the domestic market. The cost of production has decreased by ***% during POI whereas the net selling prices decreased by***% during the same period. However, the Authority notes that despite the second year of its operations, the prices of

domestic industry remained significantly depressed at the level significantly below its cost of production. The Authority notes that Landed values of imported material from subject countries are significantly below the selling price of the domestic industry, causing price undercutting in the Indian market. The price undercutting during POI was in the range of 5-15 % and underselling was in the range of 45-55% during POI.

O. Conclusion on injury

83. The above preliminary analysis of the factors indicates that inspite of the improvement in production and sales in absolute terms, increase in capacity utilization, increase in productivity, reduction in loss per unit, increase in market share, the domestic industry suffered huge losses due to decrease in selling price as against much high cost of sales and dumped imports from the subject countries.

84. Imports from subject countries are maintaining their significant presence and these had significant price effect resulting in price depression, price undercutting and price underselling.

85. On the basis of above analysis, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury.

P. Causal Link & Other factors

86. Having examined the existence of material injury and volume and price effect of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression and price depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreements on anti dumping, have been examined to see whether there are any other factor, other than the dumped imports, that could have contributed to injury to the domestic industry. The following parameters have been examined in this regard.

P.1 Volume and prices of imports from other sources

87. The Authority notes that although there have been imports from other countries as well, but they are at much higher prices as compared to the imports from subject countries.

Rs./kg.	2007-08	2008-09
Import price		
China	***	***
Japan	***	***
Third countries	***	***
Difference	83.38%	57.88%

P.2 Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

88. The Authority notes that the demand of the product under consideration has not registered any negative growth. In fact, demand shows significant positive growth. Thus, contraction in demand is not a possible reason that could have contributed to injury to the domestic industry. Also, the pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. Changes in the pattern of consumption could not have, therefore, contributed to the injury to the domestic industry.

P.3 Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

89. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods produced by domestic industry. The Authority also notes that the imported product is sold to meet the similar commercial grades and specifications as domestically produced subject goods and that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/ end uses.

90. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

P.4 Development of technology

91. On the basis of examination of the records of the petitioner, the Authority provisionally holds that development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry. Further, domestic industry as well as the exporters from China PR are following the same process of production and there is no response from Japan.

P.5 Export performance

92. The Authority notes that the petitioner also exports a part of their production, and there has been increase in exports from 4 Mt during the year 2007-08 to 87 Mt during POI. But, the quantity that is exported constitutes a meager amount i.e., just 6.4 % of the total production of the domestic industry in the POI. Hence, the Authority provisionally holds that material injury suffered by the domestic industry may not be as a result of the export performance of the domestic industry.

P.6 Productivity of the Domestic Industry

93. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown improvement.

94. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has been brought to the knowledge of the Authority.

Q. Conclusion On Causation

95. The causal link between the dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

96. The volume of dumped imports from China PR has increased and in case of Japan the

same has marginally reduced. However, there is positive price undercutting and significant price underselling from both the subject countries.

97. Market share of imports from the subject countries remained at a very significant level. Price- undercutting and significant presence of the volume of dumped imports adversely affected the performance of the domestic industry in terms of profit before interest and tax, cash flow, and return on investment.
98. The Authority has therefore, provisionally concluded that the dumped imports originating in the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and article 3.5 of Agreement of Anti- dumping.

M. Magnitude of Injury Margin

99. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows:

L.1. Injury margin Calculations

Producer	Exporter	Injury Margin (USD)	Injury Margin (%)
China PR			
Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co Ltd.	Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co Ltd	***	40-50
Sinochem Environmental Protection Chemicals (Taicang) Co Ltd.	Du-Pont Trading (Shanghai) Co. Ltd.	***	45-55
Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co. Ltd.	Sinochem Modern Environmental Protection Chemicals (Xi'an) Co. Ltd.	***	30-40
Any	Any	***	45-55
Japan			
Any	Any	***	50-60

N. Conclusions

100. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

The subject goods have been exported to India from the subject countries

below its normal value;

- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

O. Indian industry's interest & other issues

101. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.
102. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

P. Recommendations

103. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping and injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.
104. Therefore, Authority considers it necessary to recommend provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.
105. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods, originating in or exported from the subject countries:

Duty Table

Sl. No	Sub Heading Of Tariff item	Description of Goods	Country Of Origin	Country Of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3.	4.	5	6.	7.	8	9	10.
1	29033919	1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a	China PR	China PR	Sinochem Environmental Protection (Taicang) Co. Ltd.	Sinochem Environmental Protection (Taicang) Co. Ltd.	1.04	Kg	USD
2	- Do -	- Do -	China PR	China PR	Sinochem Environmental Protection (Taicang) Co. Ltd.	Du-Pont Trading (Shanghai) Co. Ltd.	1.19	Kg	USD
3	- Do -	- Do -	China PR	China PR	Sinochem Environmental Protection Chemicals (Xian) Co. Ltd.	Sinochem Environmental Protection Chemicals (Xian) Co. Ltd.	0.99	Kg	USD
4	- Do -	- Do -	China PR	China PR	Any Combination of producer and exporter other than Sl. No. 1 to 3		1.41	Kg	USD
5	- Do -	- Do -	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	1.41	Kg	USD
6	- Do -	- Do -	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	1.41	Kg	USD
7	- Do -	1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134 a	Japan	Japan	Any	Any	1.63	Kg	USD
8	- Do -	- Do -	Japan	Any	Any	Any	1.63	Kg	USD
9	- Do -	- Do -	Any	Japan	Any	Any	1.63	Kg	USD

Q. Further Procedures

106. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would hold oral hearing to hear views of various interested parties orally.
- (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

P. K. CHAUDHARY, Designated Authority